{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 05 जुलाई 2026
आषाढ़ कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 281
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सोनम वांगचुक की बिगड़ने लगी सेहत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का शनिवार को 15 वां दिन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 7वां दिन था। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है और उनका वजन 5 किलो कम हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। वहीं वांगचुक ने लद्दाख मुद्दे पर सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में डेवलपमेंट का स्वागत किया है। सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। सीजेपी का कहना है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने एक्स पर लिखा कि वांगचुक की सेहत हर दिन बिगड़ रही है। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी धर्मेंद्र प्रधान को हटाने का इंतजार आखिर कब तक करेंगे।

सरकार ने टेलीग्राम को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एक बार फिर से टेलीग्राम को नोटिस भेजा है, जिसमें सरकार ने बड़े लेवल होने वाली पायरेसी को लेकर जवाब में मांगा है। इस प्लेटफॉर्म पर लंबे समय से फिल्म, वेब सीरीज की पायरेसी हो रही है। यह जानकारी एएनआई ने दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया है कि वह पायरेटेड फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के प्रसार को रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए। सरकार ने टेलीग्राम से 15 दिनों के अंदर एक्शन टेकन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत की क्रिएटर इकोनॉमी, फिल्म उद्योग, ब्रॉडकास्टर्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, फिल्म प्रोड्यूसर्स डिस्ट्रिब्यूटर्स के अधिकारों की रक्षा के लिए उठाए गए हैं। पायरेसी, असल में किसी कॉपीराइट वाले कंटेंट को कॉपी करना होता है, जिसमें उसके मालिक की इजाजत के बिना किया गया हो।

ताजमहल परिसर के सर्वे की मांग पर कोर्ट 7 को करेगा सुनवाई

प्रयागराज। आगरा स्थित विश्व धरोहर ताजमहल को लेकर एक बार फिर कानूनी बहस तेज हो गई है। ताजमहल परिसर को भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान 'तेजो महालय' मंदिर बताए जाने से संबंधित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में 7 जुलाई को सुनवाई होने की संभावना है। याचिका में परिसर का सर्वे कराने के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ताजमहल परिसर का वैज्ञानिक और न्यायिक निगरानी में सर्वे कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वहां पूर्व में मंदिर मौजूद था या नहीं।

कुछ ना कहना

भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति का आगाज

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में सीजी सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत के मजबूत संकल्प, तेज़ निर्णय क्षमता और समयबद्ध क्रियान्वयन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत जो संकल्प लेता है, उसे दृढ़ता के साथ पूरा भी करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ वर्ष पहले भारत को उन्नत प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाने का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह अब तेजी से साकार हो रहा है। डिजाइन इन इंडिया और मेक इन इंडिया की नीति के तहत यह देश की तीसरी बड़ी सेमीकंडक्टर सुविधा है, जहां व्यावसायिक स्तर पर चिप पैकेजिंग का कार्य शुरू हो गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में इस परियोजना का शिलान्यास किया गया था और अगस्त 2025 तक यहां चिप परीक्षण प्रारंभ हो गया। इतने कम समय में उत्पादन तक पहुंचना परियोजना से जुड़े सभी सहयोगियों की मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री ने संयंत्र में कार्यरत युवा इंजीनियरों और कर्मचारियों से मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि उनमें अद्भुत आत्मविश्वास और ऊर्जा दिखाई देती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यही युवा भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई गति देंगे।

उन्होंने बताया कि यह इकाई वर्तमान में प्रतिवर्ष 20 करोड़ चिप यूनिट की आपूर्ति करने में सक्षम है और भविष्य में इसे 500 करोड़ यूनिट प्रति वर्ष तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

मोदी ने कहा कि केवल फैक्ट्रियां स्थापित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आसपास मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विश्व में तकनीकी क्लस्टरों ने विकास को गति दी है, उसी प्रकार साणंद भी तेजी से एक वैश्विक सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में उभर रहा है। यहां माइक्रोन, केयन्स और सीजी सेमी जैसी कंपनियों के साथ-साथ भविष्य में रसायन निर्माता, परीक्षण प्रयोगशालाएं, डिजाइन केंद्र और स्टार्टअप भी विकसित होंगे, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार और निवेश बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र की यह प्रगति पिछले दस वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में हुए व्यापक बदलाव का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने बताया कि कभी मोबाइल फोन के लिए आयात पर निर्भर भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता और निर्यातक बन चुका है। वर्ष 2014 की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग सात गुना और निर्यात 11 गुना बढ़ चुका है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल अंतिम उत्पादों का निर्माण नहीं, बल्कि उनके सभी प्रमुख कंपोनेंट्स और सेमीकंडक्टर का भी स्वदेशी उत्पादन है। उन्होंने कहा, पहले उत्पाद, फिर कंपोनेंट्स और अब सेमीकंडक्टर—यही मेक इन इंडिया का अगला निर्णायक चरण है।

भविष्य की रणनीति पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने हाई-टेक सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत के युवा स्वदेशी चिप्स के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और अगली पीढ़ी की तकनीकों में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करेंगे।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर और एआई क्रांति युवाओं के लिए अनुसंधान, डिजाइन, विनिर्माण, सप्लाई चेन और नवाचार के क्षेत्र में लाखों नए अवसर लेकर आएगी। युवाओं से नई तकनीक सीखने और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का होगा जो निरंतर सीखते रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने संयंत्र में कार्यरत आदिवासी समुदाय की युवतियों की सराहना करते हुए कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने विदेश में प्रशिक्षण लेकर अत्याधुनिक चिप निर्माण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे नए भारत की बदलती तस्वीर का प्रतीक बताया।

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नीति की स्थिरता, तेज़ निर्णय क्षमता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के बल पर वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2047 तक 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयास से भारत एक विकसित राष्ट्र बनकर उभरेगा।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा

-करीब तीन सप्ताह के सत्र में कई अहम विधेयकों और राजनीतिक मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक मानसून सत्र दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब तीन सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। इस बार का मानसून सत्र बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की चुनावी सफलता के बाद आयोजित हो रहा है। वहीं तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) में हुए राजनीतिक घटनाक्रम भी सदन में चर्चा का विषय बन सकते हैं। दोनों दलों के बागी सांसदों को अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता देने की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के फैसले का भी इंतजार है।

राज्यसभा में मजबूत हुआ एनडीए का आंकड़ा

हाल ही में राज्यसभा के नए और पुनर्निर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने के बाद उच्च सदन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति पहले की तुलना में और मजबूत हुई है। ऐसे में सरकार को कई विधेयकों को पारित कराने में सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर हो सकती है चर्चा

पिछले संसद सत्र में सरकार को उस समय झटका लगा था, जब लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। इस विधेयक का उद्देश्य वर्ष 2029 से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाना था। सूत्रों के अनुसार, सरकार अब संशोधित मसौदे पर काम कर रही है। नए प्रस्ताव में सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में लगभग 50 प्रतिशत तक समान वृद्धि का विकल्प शामिल किया जा सकता है। आबादी के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण को लेकर दक्षिण भारत के कई राजनीतिक दल पहले ही अपनी चिंता जता चुके हैं।

अब बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी ?

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर से चढ़ावा चोरी मामले में दोषी कौन है इसका खुलासा होता इससे पहले बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हो गया है। यहां मामला सामने आते ही बीकेटीसी ने जांच बैठाते हुए कर्मचारियों को नोटिस थमाकर जवाब मांगा है। अब भक्तों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर मंदिर चढ़ावा चोरी की सक्रिय गैंग पर लगाम कब लगेगी। राम मंदिर में दान चोरी का मामला अभी पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाया था कि विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम से चढ़ावे में हेरफेर के चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पत्र तेजी से

वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी की जा रही है। इन बढ़ते आरोपों को गंभीरता से लेते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए हैं। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मंदिर समिति ने इन आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है और पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यपरक जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसके साथ ही संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे उस दावे का भी खंडन किया, जिसमें एक कर्मचारी को उनका 'निजी सचिव' बताया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति उनका निजी सचिव नहीं, बल्कि बीकेटीसी का एक नियमित सरकारी कर्मचारी है।

व्यभिचार के मामले में होटल रिकॉर्ड और कॉल डिटेल मंगाना निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि वैवाहिक विवादों में यदि किसी पति या पत्नी पर व्यभिचार का आरोप है, तो होटल में ठहरने का रिकॉर्ड और मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) मंगाना निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त निजता का अधिकार पूर्ण नहीं है और न्यायिक प्रक्रिया में सच्चाई सामने लाने के लिए उस पर उचित सीमाएं लगाई जा सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक पति की याचिका खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता ने

दलील दी थी कि पारिवारिक अदालत द्वारा होटल में ठहरने का रिकॉर्ड और कॉल डिटेल मंगाने का आदेश उसके मौलिक निजता के अधिकार का उल्लंघन है। हालांकि शीर्ष अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि यदि किसी वैवाहिक विवाद में ऐसे दस्तावेज आरोपों की जांच और न्यायिक निर्णय के लिए आवश्यक हों, तो उन्हें अदालत में प्रस्तुत कराया जा सकता है।

अदालत ने कहा कि व्यभिचार भले ही अब आपराधिक अपराध नहीं है, लेकिन यह अब भी तलाक का वैध आधार है। ऐसे मामलों में यदि एक पक्ष अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य जुटाना चाहता है, तो केवल निजता के अधिकार का हवाला देकर उसे रोका नहीं जा सकता। न्यायालय ने यह भी दोहराया कि निजता का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह निरपेक्ष नहीं है और न्यायहित में आवश्यक होने पर उस पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला- क्लाइंट की मंजूरी के बिना वकील नहीं कर सकते समझौता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि कोई भी वकील अपने मुवक्किल की स्पष्ट और लिखित अनुमति के बिना उसकी ओर से किसी समझौते में शामिल नहीं हो सकता। इस फैसले का असर 37 साल पुराने एक पुश्तैनी संपत्ति बंटवारे के मुकदमे पर पड़ा है, जिसमें अब नए सिरे से ट्रायल शुरू होगा। यह मामला वर्ष 1989 में दायर पुश्तैनी संपत्ति बंटवारे के मुकदमे से जुड़ा है। फरवरी 1994 में, ट्रायल कोर्ट ने पक्षकारों की ओर से संयुक्त रूप से दायर आवेदन के आधार पर समझौता डिक्री पारित की थी, इसके बाद 1997 में अंतिम डिक्री भी जारी हुई थी। हालांकि, करीब 28 साल बाद, एक प्रतिवादी के कानूनी उत्तराधिकारियों ने इस समझौता डिक्री को यह कहकर चुनौती दी कि उनके पूर्वज ने कभी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे और न ही किसी वकील को उनकी ओर से समझौता करने का अधिकार दिया था। उन्होंने वकालतनामा और लिखित बयान के फर्जी होने का भी आरोप लगाया था। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने अपने निर्णय में कहा कि वर्ष 1976 में सिविल प्रक्रिया संहिता में संशोधन के बाद, कानूनी प्रावधान स्पष्ट है, समझौता डिक्री के लिए यह अनिवार्य है कि समझौता लिखित हो और उस पर सभी पक्षकारों के हस्ताक्षर हों।

ग्रेटर नोएडा में अंतरराज्यीय ड्रग्स रैकेट का खुलासा, नाइजीरियाई नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए एक नाइजीरियाई नागरिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 143 ग्राम क्रिस्टल एमडीएमए बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल तराजू, 17,500 रुपये नकद और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कसाना निवासी विजयनगर, गाजियाबाद, अतुल सिंह निवासी संपूर्णम सोसायटी, बिसरख और नाइजीरियाई नागरिक चिडुबेम स्टेनली के रूप में हुई है, जो दिल्ली के उत्तम नगर में रह रहा था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ऑनलाइन माध्यम से ड्रग्स की तस्करी करते थे। वे पहले खरीदार से वीडियो कॉल पर आसपास का इलाका दिखाने को कहते थे और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद अपने साथी के जरिए ड्रग्स की सप्लाई कराते थे। डीसीपी रवि शंकर निगम ने बताया कि गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने सेक्टर चाई-4 स्थित जनता फ्लैट सोसायटी के पीछे सर्विस रोड पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। नाइजीरियाई नागरिक अपने पासपोर्ट और भारत में वैध रूप से रहने से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं कर सका, जिसके चलते उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, आर्थिक लेन-देन और उनके नेटवर्क की जांच कर यह पता लगा रही है कि एमडीएमए की खेप कहां से लाई गई थी और इसे ग्रेटर नोएडा, नोएडा तथा दिल्ली-एनसीआर के किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था।

ममता बनर्जी की राइट हैंड चंद्रिमा भट्टाचार्य का इस्तीफा, टीएमसी को लगा बड़ा झटका

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले से ही संकट का सामना कर रही तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी एक और बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और पार्टी की महत्वपूर्ण नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने टीएमसी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापटक के बीच ममता बनर्जी की सबसे करीबी में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना पार्टी के लिए एक गंभीर सियासी झटका बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को पत्र सौंपकर अपने फैसले से अवगत कराया है। पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे केवल सांगठनिक पदों से ही नहीं, बल्कि पार्टी के महत्वपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक निर्णयों से जुड़ी साइनिंग अथॉरिटी के पद से भी तत्काल प्रभाव से मुक्त हो रही हैं। लंबे समय से टीएमसी का एक मजबूत चेहरा रही चंद्रिमा भट्टाचार्य की सरकार और संगठन दोनों में गहरी पकड़ मानी जाती थी। फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस या पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने निश्चित रूप से बंगाल के सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है और पार्टी के भीतर चल रही उठापटक को और गहरा कर दिया है।

आरजीपीवी में परीक्षा से पहले हो गए प्रश्नपत्र चोरी, मचा हड़कंप

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शामिल राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में परीक्षा से ठीक पहले प्रश्नपत्र चोरी होने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया और निर्धारित परीक्षा को तत्काल प्रभाव से स्थगित करना पड़ा। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है, जिसने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के द्वितीय वर्ष (चौथे सेमेस्टर) के कंप्यूटर विषय की परीक्षा सुबह 11 बजे आयोजित होनी थी। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले विद्यार्थियों को सूचित किया गया कि परीक्षा अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। बाद में विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र चोरी होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्रों के करीब नौ बंडल गायब पाए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि संबंधित प्रश्नपत्र गुरुवार देर रात चोरी हुए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विवि प्रशासन ने भोपाल के गांधीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन

पाक में छिपे 23 दुश्मन आतंकी घोषित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। गृह मंत्रालय ने एक गजट नोटिफिकेशन जारी करके 23 आतंकियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित कर दिया है। इन सभी 23 नामों को यूएपीए की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। इनमें से ज्यादातर आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं और पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रह रहे हैं। इस लिस्ट में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती द असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर जैसे नाम शामिल हैं, जो 2016 में नगरोटा स्थित भारतीय सेना शिविर पर हुए हमले और 2022 में जम्मू के सुंजवां में सुरक्षा बलों पर हुए हमले से जुड़े बताए गए हैं।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े अब्दुल रऊफ और हाफिज खालिद वलीद को हाफिज मोहम्मद सईद के करीबी सहयोगी के रूप में बताया गया है। सबसे चौंकाने वाला नाम मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ जाकिर का है। गजट के मुताबिक उसका स्थायी पता बेंगलुरु, कर्नाटक का है, जबकि वह अभी पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है। सरकार का कहना है कि वह लश्कर-ए-मोहम्मद, अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़े मॉड्यूल से संबंध रखता है। उस पर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने, हथियारों की ट्रेनिंग दिलवाने और आतंकी गतिविधियों के लिए पैसा जुटाने का आरोप है।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार का मानना है कि संबंधित व्यक्ति आतंकवाद में शामिल है। इसी आधार पर यूएपीए की धारा 35 के तहत उसका नाम कानून की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। इस सूची में शामिल होने के बाद इन आतंकियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता आसान हो जाता है। यह अधिसूचना गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव राकेश राठी ने जारी की है।

भाजपा विधायक को 4 साल की जेल

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बिहार के बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह को 2018 के चर्चित हर्ष फायरिंग मामले में चार साल की सजा सुनाई। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई थी। कोर्ट ने विधायक पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने सजा का ऐलान करते हुए कहा कि दोषी को आईपीसी की धारा 304 पार्ट-टू के तहत चार साल की साधारण कैद और आर्म्स एक्ट के तहत दो महीने की सजा दी जाती है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि जुर्माने की राशि पीड़िता के परिवार को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। बिहार के साहेबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह ने कोर्ट से प्रोबेशन पर रिहाई की मांग की थी। उन्होंने दलील दी थी कि उनका किसी की जान लेने का इरादा नहीं था और जनप्रतिनिधि के तौर पर उनका रिकॉर्ड बेदाग रहा है। राजू कुमार सिंह (56 वर्षीय) को आईपीसी की धारा 304 पार्ट-टू यानी गैर इरादतन हत्या के अपराध में दोषी ठहराया गया।

तेज बारिश में बह गई पुलिया, बड़ा जागपुर-अगरवाड़ा मार्ग पर आवागमन ठप

किसानों की खेती पर संकट, प्रशासन और विधायक ने किया मौके का निरीक्षण, वैकल्पिक व्यवस्था के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में करीब एक माह की देरी से शुरू हुई मानसूनी बारिश अब अपना रौद्र रूप दिखाने लगी है। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं कई स्थानों पर पुल-पुलियों और सड़कों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बारिश ने एक बार फिर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क बाधित हो गया है, जिससे ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय से लगे बड़ा जागपुरक्कअगरवाड़ा मार्ग से सामने आया है। यहां 2 जुलाई को हुई तेज बारिश के दौरान मार्ग पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होकर टूट गई, जिससे इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया। पुलिया टूटने के कारण आसपास के गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है और किसानों के सामने भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से किसान अपने खेतों तक पहुंचते हैं और कृषि कार्य के लिए आवश्यक खाद, बीज तथा अन्य सामग्री लेकर जाते हैं। पुलिया टूट जाने से खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। यदि जल्द वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो खरीफ सीजन की खेती पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। किसानों का कहना है कि धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों का समय चल रहा है, ऐसे में मार्ग बंद रहने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बारिश के शुरुआती दौर में ही पुलिया का क्षतिग्रस्त हो जाना निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्ता के अनुरूप हुआ होता तो इतनी कम अवधि की बारिश में पुलिया इस तरह नहीं टूटती। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार एजेंसी पर कार्रवाई की मांग भी की है। पुलिया टूटने की सूचना मिलने के बाद शनिवार 4 जुलाई को राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तहसीलदार छवि पंत ने घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों और किसानों से चर्चा की तथा उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तत्काल वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था करने और क्षतिग्रस्त पुलिया के शीघ्र पुनर्निर्माण के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही आसपास के क्षेत्र की स्थिति का भी जायजा लिया गया ताकि लोगों को किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय विधायक मधु भगत भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों और ग्रामीणों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। विधायक ने संबंधित विभाग को पुलिया निर्माण का प्रस्ताव तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि निर्माण कार्य के लिए बजट की कमी आती है तो विधायक निधि से भी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को जल्द राहत मिल सके। विधायक ने कहा कि बरसात के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों का सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में पुलिया टूटने से न केवल आमजन का आवागमन प्रभावित होता है, बल्कि किसानों की आजीविका पर भी सीधा असर पड़ता है। इसलिए प्रशासन को त्वरित कार्रवाई कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों, पुल-पुलियों और जलभराव की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के पूरे मौसम में संवेदनशील मार्गों की नियमित निगरानी की जाए और जहां आवश्यकता हो, वहां तत्काल मरम्मत एवं वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

पूजा ठाकरे एवं लीला ठाकरे ने हासिल की पीएचडी की उपाधि, शोध कार्यों को मिली सराहना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट । माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवारा (सिरोही, राजस्थान) के भूगोल विभाग की शोधार्थी एवं सगी बहनें पूजा ठाकरे और लीला ठाकरे ने पीएचडी की अंतिम मौखिक (वाइवा) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। दोनों शोधार्थियों ने अपने शोध प्रबंधों के माध्यम से जनजातीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण सामाजिक एवं विकासात्मक विषयों पर आधारित शोध कार्य प्रस्तुत किए, जिसकी परीक्षकों ने सराहना की। शोधार्थी पूजा ठाकरे ने अनुसूचित जनजातियों के विकास में व्यापारिक कृषि फसलों का भौगोलिक अध्ययन ~ मंडला जिले के विशेष संदर्भ में विषय पर शोध प्रस्तुत किया। वहीं लीला ठाकरे ने जलग्रहण एवं सिंचाई योजना से अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव ~ मंडला जिले की बिछिया एवं मवई तहसील के विशेष संदर्भ में卐 विषय पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। दोनों शोध कार्य शोध निर्देशक डॉ. हर्ष देव एवं सह-शोध निर्देशक आचार्य डॉ. देवेन्द्र मुझाल्दा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुए। शोध के दौरान मंडला जिले के जनजातीय क्षेत्रों में विकास की चुनौतियों, जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई योजनाओं की उपयोगिता तथा व्यापारिक कृषि फसलों की भूमिका का गहन अध्ययन किया गया। शोध में जनजातीय समाज की समस्याओं को रेखांकित करते हुए उनके समाधान के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए गए हैं। मौखिक परीक्षा के दौरान बाह्य परीक्षक डॉ. सुनील बागला एवं डॉ. बाबूलाल शर्मा ने दोनों शोध कार्यों का मूल्यांकन किया। शोध की गुणवत्ता, विषयवस्तु एवं प्रस्तुतिकरण से संतुष्ट होकर दोनों परीक्षकों ने शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान किए जाने की अनुशंसा की, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने दोनों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र सिंह सहित डॉ. अमृतलाल जीनगर, डॉ. रेणुका, डॉ. मोहर्रम अंसारी, डॉ. भंवरलाल, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. अंकिता एवं डॉ. संजय परिहार सहित अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने दोनों शोधार्थियों को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूजा ठाकरे एवं लीला ठाकरे ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता श्री तेजराम ठाकरे, माता श्रीमती दीपावली ठाकरे, बड़े भाई ओमेश्वर ठाकरे (पुलिस निरीक्षक), बड़ी बहन श्रीमती मीना ठाकरे राहंगडाले (सहायक प्राध्यापक, भूगोल, पीजी कॉलेज बिछुआ, छिंदवाड़ा), बड़े जीजाजी डॉ. छत्रपाल राहंगडाले (कृषि वैज्ञानिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़), छोटे भाई श्री छत्तरसिंह ठाकरे, पति प्रेमप्रकाश पटले तथा अभिषेक तुरकर को दिया, जिन्होंने संघर्ष के प्रत्येक चरण में उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया। साथ ही उन्होंने पीजी कॉलेज बालाघाट में पदस्थ डॉ. तारा सिंगराम एवं डॉ. प्रशांत डहाते के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन में उनका शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो सका।

पुरानी रंजिश में वृद्धा से एक ही परिवार के पांच लोगों ने की मारपीट

हालत बिगड़ने वृद्धा जिला अस्पताल में भर्ती, एक ही परिवार के 5 के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम मोवाड़ में पुरानी आपसी रंजिश के चलते हुई मारपीट में एक 60 वर्षीय वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल वृद्धा पुस्तकला पति सोविंद सादेपांचे को इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक ही परिवार के 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वही पुस्तकला बाई के हालत बिगड़ने पर परिजनों ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को एक शिकायत पेश करते हुए आरोपियों के विरुद्ध निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोवाड़ निवासी पुस्तकला बाई मजदूरी और घरेलू काम करती हैं। गांव के ही विकेश सुहागपूरे से उनका लंबे समय से विवाद चल रहा था। 17 जून की रात करीब 10 बजे पुस्तकला बाई गांव के हरिश्चंद्र गाडेकर के आंगन में बैठकर रविंद्र से बात कर रही थीं। इसी दौरान विकेश सुहागपूरे और उसकी पत्नी बबीता सुहागपूरे घर के सामने से गुजर रहे थे। थोड़ी दूर जाकर दोनों वापस लौटे और पुरानी रंजिश को लेकर पुस्तकला बाई को अश्लील गालियां देने लगे। पुस्तकला बाई के मना करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विकेश ने आवेश में आकर पुस्तकला बाई के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। विकेश की पत्नी बबीता दौड़कर आई उसने पुस्तकला साथ बेरहमी से मारपीट करने लगी। शोर सुनकर विकेश के परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए। इस दौरान विकेश का बेटा क्रिश सुहागपूरे, पिता यादवराव सुहागपूरे और मां लक्ष्मी सुहागपूरे ने भी आकर पुस्तकला बाई के साथ मारपीट करने लगे हल्ला सुनकर पड़ोसियों पहुंचे और बीच-बचाव किये जिसके बाद आरोपीयोमे वहां से जाते समय पुस्तकला को अगली बार मिलने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए।मारपीट में घायल पुस्तकला बाई ने खैरलांजी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पहले घायल पुस्तकला बाई का इलाज मेडिकल मुलाहिजा कराया। पुस्तकला की रिपोर्ट पर पुलिस ने विकेश सुहागपूरे, बबीता सुहागपूरे, क्रिश सुहागपूरे, यादवराव सुहागपूरे और लक्ष्मी सुहागपूरे के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है। मारपीट में वैसे ही पुस्तकला घायल हो गई थी उसके बाद पुस्तकला की तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पीडि़ता के परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट को भी शिकायत सौंपी है।

जॉब-सही के माध्यम से सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई गर्रा में ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में दिनांक 03/07/2026 दिन शुक्रवार को जॉब-सही (सतपुड़ा ग्रुप) के माध्यम से ओपन कैंपस का आयोजन किया गया, जिसमें गुजरात एवं हरियाणा की सुप्रसिध्द एवं प्रतिष्ठित कंपनी मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड के लिए एच.आर. दिलीप डेहरिया सर एवं सौरभ शर्मा सर द्वारा भर्ती ली गई जिसमें आईटीआई कर चुके छात्र-छात्राएं जो बालाघाट जिले म.प्र. के अन्य शहरों एवं अन्य राज्यों से लगभग 128 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से 76 अभ्यर्थियों का चयन किया गया संस्था के प्राचार्य , प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस/रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र-छात्राएं हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क/दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध की जाती रहेगी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर एक पेड़ माँ के नामअभियान एवं स्वैच्छिक पर्व का उत्साहपूर्वक शुभारंभ

पद्मेश न्यूज ।उकवा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर पूरे प्रदेश में उत्साह, उमंग एवं जनसहभागिता के साथ 卐स्वैच्छिक पर्व卐 का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय, बैहर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक आदरणीय श्री महेश पटले जी एवं प्रो. बी. एल. चौहान जी की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।स्थापना दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, मातृ सम्मान एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित स्वैच्छिक पर्व का आयोजन 4 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक प्रदेशभर में किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति अभियान तथा संस्कार केन्द्रों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इस अवसर पर परिषद परिवार ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए संगच्छध्वम् संवदध्वम् की भावना के अनुरूप सेवा, सहयोग, सामाजिक समरसता एवं जनभागीदारी को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नवांकुर संस्था के अध्यक्ष राजीव गोपाल परते, श्री कुंदन मेरावी,राजेंद्र बिसेन परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, सुश्री आकांक्षा मेरावी, सुश्री संगीता आर्मी, भंवर सिंह टेकाम तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र संदीप गजभिये एवं अभय यादव सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएँ एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियाँ, नवांकुर संस्थाएँ एवं सीएमसीएलडीपी नेटवर्क राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने तथा विभिन्न शासकीय अभियानों में जनसहभागिता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।अंत में परिषद द्वारा सभी स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों से स्वैच्छिक पर्व के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशामुक्ति एवं समाज सेवा के इस जनआंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

अब साइबर ठगी ई-वाहनों तक पहुंची

उज्जैन और ग्वालियर समेत कई शहरों में सामने आए मामले

भोपाल। साइबर अपराध अब केवल बैंक खाते, यूपीआई और मोबाइल फोन तक सीमित नहीं रहा। इंटरनेट और ब्लूटूथ आधारित स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बढ़ते उपयोग के साथ अब साइबर ठगों की नजर ई-वाहनों पर भी है। उज्जैन और ग्वालियर समेत देश के कई शहरों में ई-रिक्शा के बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) से कथित छेड़छाड़ कर वाहन रोकने और चालकों से रुपये वसूलने जैसे मामले सामने आने के बाद ई-वाहनों की साइबर सुरक्षा पर गंभीर बहस शुरू हो गई है। इस बीच केंद्र सरकार ने बीएटी-बीएमएस जैसे मोबाइल एप को ऐप स्टोर से हटाने की कार्रवाई की है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इससे खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होगा। असली चुनौती ई-वाहनों के डिजिटल सिस्टम को सुरक्षित बनाने की है। बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन का डिजिटल कंट्रोल सेंटर होता है। यह बैटरी का तापमान, वोल्टेज, चार्जिंग, डिस्चार्जिंग और प्रत्येक सेल की कार्यप्रणाली पर नजर रखता है। कई आधुनिक ई-रिक्शा, दोपहिया और अन्य ई-वाहनों में यह सिस्टम ब्लूटूथ और मोबाइल एप से जुड़ा होता है, जिससे चालक मोबाइल पर बैटरी की स्थिति देख सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि इस सिस्टम में मजबूत पासवर्ड, एन्क्रिप्शन और सुरक्षित ऑथेंटिकेशन नहीं हो तो ब्लूटूथ रेंज (करीब 10 से 15 मीटर) में मौजूद कोई व्यक्ति उससे जुडने् का प्रयास कर सकता है। यदि उसे एक्सेस मिल जाए तो बैटरी की डिस्चार्ज सेटिंग बदलकर वाहन को रोकना या उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित करना संभव हो सकता है। हाल के मामलों ने यह भी स्पष्ट किया है कि खतरा केवल ई-रिक्शा तक सीमित नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे इंटरनेट और सॉफ्टवेयर आधारित दोपहिया, कारें और कमर्शियल ईवी बढ़ेंगे, वैसे-वैसे साइबर हमलों का जोखिम भी बढ़ेगा। वाहन के डिजिटल सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच मिलने पर उसे बीच रास्ते रोकना, डिजिटल फिरौती (रैनसम) मांगना, बैटरी सेटिंग से छेड़छाड़ करना या वाहन संचालन बाधित करना संभव हो सकता है। इससे चालक की आजीविका के साथ सडक़ सुरक्षा पर भी खतरा पैदा हो सकता है। हालांकि राहत की बात यह है कि सभी ई-वाहन इस जोखिम की जद में नहीं हैं। जिन वाहनों में पारंपरिक लेड-एसिड बैटरी लगी है या जिनके बीएमएस में मजबूत सुरक्षा, एन्क्रिप्शन और कंपनी आधारित प्रमाणीकरण मौजूद है, उनमें ऐसी आशंका काफी कम मानी जाती है। जोखिम मुख्य रूप से उन वाहनों में अधिक है, जिनमें ब्लूटूथ आधारित बीएमएस है और जिनकी सुरक्षा सेटिंग कमजोर है या डिफाल्ट पासवर्ड नहीं बदला गया है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि बीएटी-बीएमएस एप पर प्रतिबंध केवल तत्काल राहत का कदम है। यदि किसी वाहन के डिजिटल सिस्टम में सुरक्षा खामी बनी रहती है तो भविष्य में कोई दूसरा एप या टूल भी उसी कमजोरी का फायदा उठा सकता है। इसलिए समाधान किसी एक एप को हटाने में नहीं, बल्कि सुरक्षित साफ्टवेयर डिजाइन, मजबूत एन्क्रिप्शन, नियमित फर्मवेयर अपडेट और साइबर सुरक्षा मानकों को अनिवार्य बनाने में है। दुनिया के कई देशों में पहले भी इंटरनेट आधारित वाहनों की सुरक्षा कमजोरियां सामने आ चुकी हैं। इसके बाद आटोमोबाइल उद्योग में व्हीकल साइबर सिक्योरिटी को अलग सुरक्षा मानक के रूप में विकसित किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

खेत के कुएं में मिला भालू का क्षत विक्षत शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वन परिक्षेत्र खैरलांजी अंतर्गत भंडारबोड़ी सर्किल के ग्राम पिपरटोला में एक वयस्क नर भालू का क्षत-विक्षत शव खेत के कुएं से बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में वन विभाग ने भालू के शिकार की आशंका जताई है। मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार 4 जुलाई को कृषक जियालाल धुर्वे अपने खेत पहुंचे। खेत में बने कुएं में किसी मृत जीव के

दिखाई देने पर उन्होंने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी डी.सी. वासनिक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि कुएं में पड़े अवशेष एक वयस्क नर भालू के हैं। जिसके शरीर के कई टुकड़े कर कुएं में फेंक दिए गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओ, डीएफओ एवं सीसीएफ को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए गए। वन विभाग द्वारा शव बाहर निकालने पर पाया गया कि भालू का सिर धड़ से अलग था, चारों पैर काट दिए गए थे तथा आगे के दोनों पैरों के नाखून भी गायब थे। शव लगभग छह से सात टुकड़ों में मिला, जिससे शिकार के बाद साक्ष्य मिटाने की कोशिश की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार शव दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद पशु चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया और वन्यजीव के शव का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

डीआरएम को बालाघाट रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म की टपकती मिली छत

निरीक्षण पर पहुंचे डीआरएम ने देखी बालाघाट स्टेशन की हकीकत, सुधार कार्य करने दिए निर्देश

12 जुलाई के बाद कभी भी पीएम कर सकते हैं बालाघाट रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, पुराने रेलवे स्टेशनों के पुर्नविकास और कायाकल्प करने की प्रक्रिया में बालाघाट स्टेशन को भी तत्कालीन संसदीय कार्यकाल में शामिल किया गया था।जिसे तकरीबन ढाई वर्ष बीत जाने के बाद भी स्टेशन पर पानी टपकने से लेकर अन्य नवीनीकरण और आधुनिकीकरण की समस्या बनी हुई है। हालांकि अन्य रेलवे स्टेशनों के साथ साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बालाघाट रेलवे स्टेशन में किए गए नवीनीकरण कार्य का पीएम मोदी जल्द ही वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जिसकी व्यवस्थाए बनाने का कार्य इन दिनों जोरो पर है, जिसको लेकर शनिवार को अमृत भारत स्टेशन योजना से निर्मित बालाघाट स्टेशन का निरीक्षण करने, डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता बालाघाट रेलवे स्टेशन पहुँचे।शाम तकरीबन 5 बजे छिंदवाड़ा, नैनपुर, होते हुए डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता स्पेशल ट्रेन से बालाघाट पहुंचे। इस दौरान, रेलवे विभाग का तकनीकि और प्रशासकीय अमला भी मौजूद था। यहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन से बालाघाट स्टेशन के किए गए पुर्नविकास और कायाकल्प के निरीक्षण के साथ ही रेलवे कर्मचारियो के आवासीय भवनों की हकीकत को जाना।वही जगह जगह सुधारकार्य के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जगह जगह नगर आई खामियां

डीआरएम विशेष रेल इंजन 230078 से बालाघाट पहुंचे, जहां उन्होंने रेलवे अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर एवं रेलवे कॉलोनी का विस्तृत निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण में डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता को स्टेशन में जगह जगह खामियां नजर आई।उन्होंने स्टेशन में बरसात के पानी से बचने के लिए बनाए गए शेड से गिर रहे पानी को लेकर नाराजगी जाहिर की और उसके सुधार के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने यात्रियो के बैठने की व्यवस्था, बरसात और गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने पर रेलवे कर्मचारियों के भवनों में घुस रहे पानी की समस्या के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।इसके अलावा टिकिट काउंटर, जंपिंग लाईट व्यवस्था, एलईडी में सुधार सहित अन्य कमियो को दूर करने कहा।निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म पर हो रहे सीपेज पानी रिसाव पर भी उन्होंने गंभीरता जताई।अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सीपेज की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए तथा प्लेटफॉर्म की संरचना को मजबूत बनाते हुए आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य जल्द पूरे किए जाएं।

पीएम मोदी जल्द करेंगे उर्चुअल उद्घाटन

निरीक्षण के दौरान बताया गया कि पीएम मोदी जल्द ही अमृत भारत योजना के तहत 3 स्टेशनों में हुए नवीनीकरण कार्य का जल्द उद्घाटन कर सकते है।स्टेशन पर प्रस्तावित विकास कार्यों का उद्घाटन 12 जुलाई के बाद किए जाने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी शेष है।डीआरएम के निरीक्षण से रेलवे अधिकारियों में आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने की सक्रियता दिखाई दी। उम्मीद की जा रही है कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के पालन से बालाघाट रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में और अधिक सुधार होगा तथा स्टेशन का स्वरूप आधुनिक और सुविधाजनक बनेगा

जल्द ही बालाघाट जबलपुर डबल लाइन का कार्य शुरू किया जाएगा-गुप्ता

निरीक्षण को लेकर की गई चर्चा के दौरान डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना से बालाघाट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और कायाकल्प के बाद, इसका लोकार्पण किया जाना है, यह लोकार्पण, आगामी 12 जुलाई के बाद कभी भी हो सकता है, जिसके पहले, प्रशासकीय तौर से वह निरीक्षण करने पहुंचे और यहां मिली खामियों में सुधार के निर्देश दिए है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि रेलवे लाईन दोहरीकरण को लेकर प्रक्रिया प्रारंभ है, भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने के बाद, रेललाईन बिछाने का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

हनुमान चौक में जलभराव पर भड़की विधायक अनुभा मुंजारे, बोलीं- समस्या नहीं सुलझा सकते तो दें इस्तीफा नपाध्यक्ष

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठाए सवाल, बरसात में कराए जा रहे काम को बताया नियमों के विपरीत

कहा फोटो खिंचवाने से नहीं, धरातल पर काम करने से होगा शहर का विकास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के सबसे व्यस्त हनुमान चौक में वर्षों से बनी जलभराव की समस्या और बरसात के बीच जारी निर्माण कार्यों को लेकर एक बार फिर राजनीति गरमा गई है। शनिवार को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने हनुमान चौक पहुंचकर निर्माण कार्यों और जलनिकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर तीखा हमला बोला। विधायक ने कहा कि यदि नगर पालिका वर्षों पुरानी समस्या का समाधान नहीं कर सकती, तो अध्यक्ष को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि हनुमान चौक शहर का प्रमुख और अत्यधिक व्यस्त क्षेत्र है, लेकिन हर वर्ष बारिश की पहली फुहार के साथ ही यहां जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे स्थानीय व्यापारियों, आम नागरिकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति नगर पालिका की कार्यशैली और बारिश पूर्व तैयारियों की वास्तविकता को उजागर करती है।

विधायक ने आरोप लगाया कि नगर पालिका हर वर्ष बारिश से पहले जलनिकासी व्यवस्था सुधारने, नालियों की सफाई और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने का दावा करती है, लेकिन धरातल पर कोई ठोस तैयारी दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप हनुमान चौक सहित शहर के कई निचले वार्डों में मामूली बारिश के बाद भी सड़कें तालाब का रूप ले

लेती हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जनता को उसका लाभ नहीं मिल रहा। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का अभाव है और कई स्थानों पर अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। विधायक ने कहा कि बरसात के मौसम में निर्माण कार्य कराना तकनीकी रूप से भी उचित नहीं माना जाता, इसके बावजूद शहर में सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं, नालियां अधूरी पड़ी हैं और जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अनुभा मुंजारे ने नगर पालिका अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे केवल फोटो खिंचवाकर विकास का दिखावा करती हैं, जबकि वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि यदि नगर पालिका अध्यक्ष से शहर का संचालन और समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है, तो उन्हें अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए पद छोड़ देना चाहिए। विधायक ने कहा, जनता और प्रशासन मिलकर भी शहर का काम करा लेंगे, लेकिन जनता को इस तरह की परेशानियों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका द्वारा शहर में कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी उन्हें नहीं दी जाती। जबकि जनप्रतिनिधि होने के नाते वह चाहती हैं कि नगर पालिका विकास कार्यों से पहले समन्वय स्थापित करे, ताकि स्थानीय जरूरतों और जनता की समस्याओं के आधार पर बेहतर सुझाव दिए जा सकें। लेकिन नगर पालिका इस दिशा में कोई पहल नहीं कर रही है। विधायक ने कहा कि वह स्वयं को जनता का सेवक मानती हैं और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा सड़क पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार हैं। उनका उद्देश्य केवल शहर का विकास नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ विकास कार्य कराना है, जिससे लोगों को लंबे समय तक राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों और कथित अनियमितताओं को लेकर वह शासन को विस्तृत प्रतिवेदन भेजेंगी। साथ ही संबंधित विभागों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और वित्तीय अनियमितताओं की जांच कराने की मांग भी करेंगी।

स्वस्तिक आरओ प्लांट में मिली गंदगी, राजस्व टीम के निरीक्षण के बाद एसडीएम ने दिए कार्रवाई के संकेत

शिकायतों के बाद प्रशासन हुआ सक्रिय, शहर के अन्य जल शोधन संयंत्रों की भी होगी जांच, साफ-सफाई और पानी की गुणवत्ता पर रहेगा विशेष फोकस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने वाले निजी आरओ फिल्टर प्लांटों की कार्यप्रणाली अब जिला प्रशासन की निगरानी में आ गई है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद शनिवार को कृष्णाडेयरी गली रोड स्थित स्वस्तिक आरओ फिल्टर प्लांट का राजस्व विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्लांट परिसर में साफ-सफाई की कमी और गंदगी मिलने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर एसडीएम कार्यालय को भेज दी गई है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार बीते कई दिनों से शहरवासियों द्वारा जिला प्रशासन को शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि कृष्णाडेयरी गली रोड पर संचालित स्वस्तिक आरओ फिल्टर प्लांट में स्वच्छता के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। शिकायतों में प्लांट परिसर में गंदगी, रखरखाव की कमी और पानी की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच कराने का निर्णय लिया। इसी क्रम में नायब तहसीलदार मंजूलता महोबिया के नेतृत्व में राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने 4 जुलाई को प्लांट का औचक निरीक्षण किया। टीम में पटवारी अजीत तिवारी सहित अन्य राजस्व कर्मचारी भी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान प्लांट के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया गया, जहां प्रथम दृष्टया साफ-सफाई का अभाव और गंदगी दिखाई दी। निरीक्षण के बाद पूरी स्थिति का प्रतिवेदन तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया गया। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि नायब तहसीलदार द्वारा निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसे शीघ्र ही अपर कलेक्टर के समक्ष भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की शिकायतें प्रशासन को मिल रही थीं, निरीक्षण के दौरान उसी प्रकार की परिस्थितियां प्रारंभिक रूप से देखने को मिली हैं। प्लांट में स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई और साफ-सफाई में गंभीर कमी नजर आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक प्लांट तक सीमित नहीं रहेगी। जिला प्रशासन ने शहर में संचालित सभी निजी आरओ एवं पेयजल शोधन संयंत्रों की जांच का अभियान शुरू किया है। आगामी दिनों में विभिन्न टीमों द्वारा अन्य जल शोधन प्लांटों का भी निरीक्षण किया जाएगा, जहां पानी की गुणवत्ता, स्वच्छता, लाइसेंस संबंधी दस्तावेज, संचालन व्यवस्था तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों का परीक्षण किया जाएगा। एसडीएम ने कहा कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा विषय होने के कारण प्रशासन किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा। यदि किसी भी आरओ प्लांट में स्वच्छता के नियमों की अनदेखी, पानी की गुणवत्ता में कमी अथवा अन्य निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर के अन्य निजी जल शोधन संयंत्र संचालकों में भी हलचल देखी जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जिले में संचालित सभी आरओ प्लांटों की जांच के बाद पेयजल की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर प्रशासन और अधिक सख्ती बरतेगा, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

जंगली सूअर के हमले में कृषक घायल, खेत से लौटते समय हुआ हमला, जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रट्टापायली में शनिवार शाम खेत से घर लौट रहे एक कृषक पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। इस हमले में कृषक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल कृषक बेनीराम पिता प्रेमलाल पाच 55 वर्ष को 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रट्टापायली निवासी बेनीराम पांचे अपनी पत्नी नोसी बाई के साथ खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में चार बेटियां हैं। जिनकी शादी हो चुकी है। दोनों पति-पत्नी गांव में रहकर खेती का कार्य करते हैं।जबकि बेटियां और दामाद समय-समय पर उनसे मिलने आते रहते हैं।

4 जुलाई की सुबह बेनीराम अपनी पत्नी के साथ खेत में धान की बुवाई करने गए थे। शाम करीब 4 बजे धान की बुवाई का कार्य पूरा करने के बाद दोनों पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खेत के पास स्थित झाड़ियों से अचानक एक जंगली सूअर तेजी से बाहर निकला और बेनीराम पर हमला कर दिया।

हमले में जंगली सूअर ने बेनीराम के पेट में चोट पहुंचाई।जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। कुछ देर बाद जंगली सूअर वहां से भाग गया। घटना के बाद घायल बेनीराम किसी तरह अपनी पत्नी के साथ घर पहुंचे। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। जहा उनका इलाज किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी पोस्ट करने वाले कांग्रेसियों पर गिरेगी गाज, प्रदेश कांग्रेस ने मांगी रिपोर्ट

नेताओं और पार्टी की नीतियों पर सार्वजनिक टिप्पणी करने वालों को पहले नोटिस, नहीं माने तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन में अनुशासन बनाए रखने और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी की छवि धूमिल करने वाले नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब पार्टी के भीतर रहकर सोशल मीडिया, समाचार माध्यमों अथवा अन्य सार्वजनिक मंचों पर संगठन, पार्टी की नीतियों और वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ टिप्पणी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में पहले नोटिस जारी किया जाएगा और सुधार नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि पार्टी के कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता संगठन में रहते हुए ही पार्टी की विचारधारा एवं अनुशासन के विपरीत जाकर सोशल मीडिया पर वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और संगठनात्मक निर्णयों पर सार्वजनिक टिप्पणी कर रहे हैं। कई मामलों में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को भी सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे संगठन की छवि प्रभावित हो रही है। प्रदेश नेतृत्व ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना है। निर्देश में बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं जिला संगठन को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पत्र के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की पहचान करनी होगी, जो सोशल मीडिया पर पार्टी, उसके नेताओं या संगठनात्मक निर्णयों के खिलाफ लगातार पोस्ट, टिप्पणियां या बयान जारी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को पहले कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा जाएगा। यदि नोटिस के बाद भी उनके व्यवहार में सुधार नहीं होता है, तो उनके विरुद्ध संगठन के संविधान के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजनी होगी। प्रदेश नेतृत्व ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन पदाधिकारियों पर जिला स्तर से कार्रवाई करना संभव नहीं है, उनके खिलाफ उपलब्ध साक्ष्य, सोशल मीडिया पोस्ट, समाचार कटिंग और अन्य प्रमाणों सहित विस्तृत प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजा जाए, ताकि प्रदेश स्तर पर आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह निर्देश ऐसे समय आया है, जब प्रदेश के कई जिलों में कांग्रेस के भीतर गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है। कई स्थानों पर पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने ही नेताओं, विधायकों तथा जिला संगठन के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार टिप्पणियां कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कई मामलों में प्रेस विज्ञप्तियों और समाचारों के माध्यम से भी संगठन के अंदरूनी विवाद सार्वजनिक किए जा रहे हैं, जिससे पार्टी की छवि प्रभावित हो रही है। बालाघाट जिले में भी पिछले कुछ समय से कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अपने ही नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणियां किए जाने और सार्वजनिक बयानबाजी के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे घटनाक्रमों के बीच प्रदेश कांग्रेस का यह निर्देश संगठन के भीतर अनुशासन कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कछुआ गति से चल रहा पुल का एप्रोच निर्माण कार्य, बरसात शुरू होने से बढ़ीं मुश्किलें

तेज बारिश हुई और नदी में बाढ़ आने पर बह सकता है बेस, दर्जनों गांवों का संपर्क टूटने का खतरा, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र के लालबर्रा-मानपुर मार्ग तहसील कार्यालय से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर हो रहे पुल का एप्रोच का निर्माण कार्य विभागीय उदासीनता और ठेकेदार की लापरवाही के कारण कछुआ गति से चल रहा है। वहीं मानसून (बरसात) ने दस्तक दे दी है, लेकिन अब तक पुल का एप्रोच कार्य पूर्ण नही हो पाया है। जिसके चलते क्षेत्र के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि आने वाले दिनों में तेज बारिश होती है, तो सर्राटी नदी में बाढ़ आने से जिस स्थान पर क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर जो एप्रोच कार्य किया जा रहा है उसका अस्थाई बेस बह सकता है, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरूध्द होने की आशंका बनी हुई है। वहीं गत दो दिवस से रूक-रूक कर बारिश हो रही है एवं पुल किनारे अस्थाई मार्ग सर्राटी नदी में पानी जमा हो गया है और उक्त मार्ग एवं पानी के अंदर से लोग आवागमन कर रहे है जिससे उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि निर्माण कंपनी के द्वारा बरसात शुरू होने के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण कर देना चाहिए था लेकिन प्रशासन एवं निर्माण कंपनी की उदासीनता के चलते अब तक निर्माण कार्य पुर्ण नही हो पाया है। साथ ही पुर्व में बने पुल का कुछ हिस्सा कमजोर हो चुका है एवं सुरक्षा की दृष्टि से लगाई गई सीमेन्ट की दीवार भी क्षतिग्रस्त होने लगी है। जबकि इस पुल का नवीन निर्माण किया जाना चाहिए था किन्तु जिस स्थान से तीन से चार वर्ष पूर्व बाढ़ पर पुल का हिस्सा ढह गया था उस स्थान पर ही एप्रोच कार्य किया जा रहा है। वह भी अब तक पूर्ण नही हुआ है अगर तेज बारिश होने के साथ ही सर्राटी नदी में बाढ़ आने पर निर्माण कार्य अधुरा रह सकता है। जिससे इस मार्ग से आवागमन करने आने वाले दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं विद्यार्थियों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

विधायक के प्रयासों से मिली थी स्वीकृति, पर लेट-लतीफी ने बिगाड़ा खेल

आपकों बता दे कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बने पुल करीब 3 से 4 वर्ष पूर्व नदी में बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव में दो स्थानों से पुल क्षतिग्रस्त होकर बह गया था। जिसके बाद से इस मार्ग से आवागमन पूर्णत: बंद हो गया था और क्षतिग्रस्त पुल के किनारे से लोग आवागमन कर रहे थे। वहीं लंबे समय से लालबर्रा-मानपुर से बोरी मार्ग सर्राटी पर नवीन पुल निर्माण की मांग की जा रही थी। जिसके बाद विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और जनप्रतिनिधियों के कड़े प्रयासों के बाद इस महत्वपूर्ण पुल का एप्रोच निर्माण कार्य को प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिली थी। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि इस बार बारिश से पहले उन्हें पक्का पुल मिल जायेगा। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य बेहद देरी से प्रारंभ किया गया। लेटलतीफी का नतीजा अब यह है कि बारिश सिर पर है और काम अधूरा पड़ा है। वहीं किसी भी समय तेज बारिश हो सकती है और नदी में बाढ़ आने पर जो निर्माण किया जा रहा है उस का बेस खराब हो सकता है। साथ ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और स्कूल खुल गये हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन दर्जनों गांवों के बच्चे, किसान और आम नागरिक लालबर्रा मुख्यालय आवागमन करते है। लेकिन पुल का एप्रोच कार्य पूर्ण नही होने और अस्थाई रास्ते पर पानी जमा हो जाने से लोगों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है। वहीं दुर्घटना घटित न हो सके इस डर से कुछ स्कूली बच्चे और ग्रामीण अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय पहुंच रहे है।

बाढ़ आई तो ठप हो जायेगा संपर्क

ग्रामीणों का कहना है कि सर्राटी नदी में तेज बारिश के दौरान अचानक जलस्तर बढ़ जाता है। तो वर्तमान में पुल का जो ढांचा या बेस तैयार किया गया है, वह तेज बहाव को झेलने की स्थिति में नहीं है। अगर भारी बारिश के कारण बाढ़ आती है, तो पूरा बेस बह जायेगा जिससे लालबर्रा का बोरी सहित दर्जनों गांवों से संपर्क पूरी तरह से कट जायेगा।

नवीन पुल का निर्माण होना था - रामचंद

किसान गर्जना संगठन अध्यक्ष रामचंद सिंहारे ने बताया कि लालबर्रा से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुल तीन वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका था, जिसके कारण इस पुल से आवागमन बंद था और नवीन पुल निर्माण की मांग की जा रही थी। लेकिन शासन-प्रशासन के द्वारा नवीन पुल का निर्माण न करवाते हुए एप्रोच कार्य करवाया जा रहा है वह कार्य भी धीमी गति से किया जा रहा है। तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने पर जो बेस तैयार किया गया है वह बह जायेगा और समस्या जस की तस हो जायेगी। निर्माण कंपनी एवं प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

नदी में बाढ़ आने पर कार्य होगा प्रभावित - ताराचंद

ताराचंद कावडे ने बताया कि पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद विधायक के प्रयासों से शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद क्षतिग्रस्त पुल का एप्रोच कार्य किया जा रहा है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा देरी से निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है जिसके कारण अब तक कार्य पूर्ण नही हो पाया है। साथ ही बरसात शुरू हो चुकी है, तेज बारिश होने एवं नदी में बाढ़ आने पर निर्माण कार्य प्रभावित होगा और जो निर्माण कार्य हुआ है वह भी बह सकता है, जिससे शासन को लाखों का नुकसान हो सकता है। श्री कावडे ने बताया कि बरसात शुरू हो चुकी है और आधा काम हुआ है, इसी तरह कार्य की गति रहेगी तो इस बरसात में भी निर्माण कार्य अधुरा रह सकता है इसलिए हमारी मांग है कि तीव्र गति से पुल का एप्रोच कार्य होना चाहिए।

किसानों को भावांतर की कितनी राशि मिलेगी? केवल घोषणा नहीं, स्पष्ट आंकड़ा भी दें सरकार - मनोहर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोहर अग्रवाल ने सिवनी जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों को भावांतर राशि देने की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं है। प्रदेश के लाखों किसान जानना चाहते हैं कि आखिर उन्हें प्रति क्विंटल कितनी राशि मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि गांव में किसान अपनी उपज (धान) लगभग 1800 से 1900 रूपये प्रति क्विंटल के भाव पर कोचिया व्यापारियों को मजबूर होकर बेचते हैं, जिससे किसानों का जबरदस्त शोषण होता है। इसी से बचने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर शासन कृषि उपज की खरीदी करता है। लेकिन अब सरकार समर्थन मूल्य में खरीदी बंद कर किसानों के खाते में भाव अंतर की राशि डालने की घोषणा की है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में यह नहीं बताया कि भावांतर की राशि कितनी निर्धारित की गई है। किसानों के मन में आशंका है कि कहीं सरकार केवल 100 या 200 देकर किसानों का मुंह बंद करने की कोशिश तो नहीं कर रही है? यदि सरकार वास्तव में किसान हितैषी है तो उसे यह स्पष्ट करना चाहिए कि किसानों को समर्थन मूल्य के अनुरूप पूरा अंतर मिलेगा या नहीं?। साथ ही यह भी स्पष्ट करें चुनाव में सरकार ने 3100 रूपये एमएसपी देने की वादा की थी उसका क्या हुआ? क्या सरकार अपने वादे से मुकर रही है?। यदि सरकार किसानों के साथ किसी भी प्रकार का छल करती है या अधूरी राशि देकर मामले को समाप्त करने का प्रयास करती है, तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से किसानों की आवाज उठायेगी।

खाद के बढ़े दाम वापस ले सरकार – आनंद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट जिला सरपंच संघ के जिला सचिव, कंजई सरपंच अधि आनंद बिसेन ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंदसिंह राजपूत को पत्र प्रेषित कर मांग की है कि बालाघाट सहित पूरे प्रदेश में खाद (सोडा) की बेतहाशा बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल प्रभाव से कम किया जाने और सहकारी समितियों में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे ताकि भोले-भाले किसानों को बिचौलियों और मुनाफाखोर व्यापारियों के हाथों लुटने से बचाया जा सके। श्री बिसेन ने कहा कि एक तरफ जहां सरकार साल में महज 6 हजार रूपये देकर किसानों के सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी तरफ खाद, बीज, डीजल, बिजली और कृषि उपकरणों के दामों में बेतहाशा वृध्दि कर किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम कर रही है। भाजपा सरकार की इन जनविरोधी नीतियों ने आज संपन्न खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने के खोखले वादे किये जाते हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक संकट से जूझ रहे अन्नदाता पर महंगाई का भारी बोझ लादकर उसकी कमर तोड़ी जा रही है।

श्री बिसेन ने कहा कि जो खाद की बोरी पहले 1350 रूपये में मिल रही थी, सरकार ने उसे बढ़ाकर सीधे 2100 रूपये कर दिया है। इसी तरह 1450 रूपये वाली खाद की बोरी का दाम अब 2450 रूपये के पार पहुँच चुका है। प्रति 50 किलो की बोरी पर लगभग 1000 रूपये की यह भारी भरकम वृध्दि सीधे तौर पर किसानों की जेब पर डाका है। इसके विपरीत, चुनाव के समय सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विं देने का लोकलुभावन वादा किया था, जिसे तीन साल बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं किया गया है। लागत लगातार आसमान छू रही है और किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण आज का अन्नदाता कर्ज के गहरे दलदल में डूबने को मजबूर है। आगे उन्होने कहा कि वे किसानों के मान-सम्मान और उनके अधिकारों के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। यदि सरकार ने बढ़े हुए दामों को जल्द वापस नहीं लिया और खाद की पर्याप्त आपूर्ति बहाल नहीं की, तो वे समस्त किसान भाइयों को एकजुट कर ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय तक एक बड़ा और उग्र आंदोलन, धरना प्रदर्शन करने बाध्य होगें।

उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान, लालबर्रा को वर्ष 2027 तक पूर्ण साक्षर बनाने जुटेगा शिक्षा विभाग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के पांढरवानी मार्ग स्थित विवेक 'योति हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को 'उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान' के तहत एक दिवसीय संकुल एवं विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में संकुल प्राचार्य, जनशिक्षक, संकुल सह-समन्वयक और सामाजिक चेतना केंद्र के नोडल अधिकारी मुख्य रूप से शामिल हुए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बीआरसी श्रीराम तुरकर एवं वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार वर्ष 2027 तक लालबर्रा विकासखंड के सभी असाक्षरों को साक्षर बनाकर क्षेत्र को पूर्ण साक्षर घोषित करना है।

असाक्षरों की पहचान और ऑनलाइन पंजीयन पर फोकस

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स और अधिकारियों द्वारा सभी नोडलों व जनशिक्षकों को अभियान के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें उन्हे बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर असाक्षरों की पहचान कर उन्हें चिन्हित करने, चिन्हित किये गये सभी असाक्षरों का पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने, निरक्षरों को पढ़ाने के लिए 'अक्षर साथी' (स्वयंसेवकों) का पंजीयन करने, क्षेत्रों में साक्षरता अध्ययन केंद्रों का नियमित और सुचारू संचालन करना ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो सके। इस बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। वहीं अधिकारियों ने बताया कि शासन की मंशानुसार देश का कोई भी नागरिक असाक्षर न रहे, इसी उद्देश्य के साथ यह अभियान वर्ष 2022 से 2027 तक चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग इस राष्ट्रीय लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए पूरी गंभीरता से जुट चुका है। इस एक दिवसीय कार्यशाला में विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सभी संकुलों के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। जिन्हे इस अभियान का सफल संचालन कर लक्ष्य को पूरा करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है।

बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विकासखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के सभी निरक्षर लोगों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। श्री तुरकर ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सभी को अपने-अपने क्षेत्रों में निरक्षर लोगों का चिन्हांकन कर सर्वे कार्य पूर्ण करने, उनका नाम ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई है। जिसके बाद सामाजिक चेतना केंद्रों के माध्यम से अध्यापन केंद्र स्थापित कर पढ़ाई का कार्य प्रारंभ करवाया जायेगा। श्री तुरकर ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत वर्ष 2027 तक शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य शासन से मिला है। निरक्षरों को चिहिन्त कर अक्षर साथी के माध्यम से उन्हे पढ़ाया जायेगा जिनकी परीक्षा सितंबर माह में आयोजित की जायेगी और वर्ष 2027 तक क्षेत्र में शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर शिक्षकगण एवं मास्टर ट्रैनर उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग के आश्वासन के बाद ग्राम कनकी में 5 जुलाई का चक्काजाम स्थगित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी में विद्युत समस्या के विरोध में 5 जुलाई को ग्रामीणजनों के द्वारा चक्काजाम किया जाना था। किन्तु चक्काजाम आंदोलन करने के पूर्व कुछ मांगे पूरी होने एवं 15 दिनों के अंदर कनकी पावर हाउस से कनकी व बेहरई ग्राम को जोड़ने का आश्वासन मिलने के बाद फिलहाल कुछ दिनों के द्वारा 5 जुलाई को होने वाले चक्काजाम आंदोलन को स्थगित कर दिया गया है। चर्चा में जनपद सदस्य प्रतिनिधि अनिल डहरवाल ने बताया कि लंबे समय से ग्राम कनकी में बिजली की समस्या बनी हुई थी और इस समस्या से कई बार विद्युत विभाग को अवगत करवाने के बाद भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। जिससे परेशान ग्रामीणों के द्वारा 5 जुलाई को चक्काजाम करने वाले थे। लेकिन विद्युत विभाग के द्वारा ग्रामीणों की जायज मांगों पर सकारात्मक कदम उठाते हुए उचित आश्वासन दिये गये हैं, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। विभाग ने तत्परता दिखाते हुए ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले संबंधित लाइनमैन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही विभाग द्वारा आश्वासन दिया गया है कि ग्राम कनकी की विद्युत लाइन को सीधे कनकी पावर हाउस से जोड़ा जाये और आगामी 1 महीने के अंदर गांव की बिजली से जुड़ी तमाम समस्याओं का पूरी तरह से निराकरण कर दिया जायेगा। जनपद सदस्य प्रतिनिधि अनिल डहरवाल और समस्त ग्रामवासियों ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे विभाग द्वारा मांगे गये समय तक सहयोग बनाये रखें। यदि तय समय सीमा के अंदर विद्युत समस्या का स्थाई समाधान नहीं होता है, तो आगे की रणनीति समस्त ग्रामवासियों की सहमति से तय की जायेगी और पुन: आंदोलन का मार्ग चुना जायेगा। लेकिन 5 जुलाई को कनकी में विद्युत समस्या को लेकर होने वाला चक्काजाम कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

पनबिहरी सरपंच ने 2 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी के 2 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु हो गई थी। गुरूवार को मृत व्यक्तियों के परिजन को ग्राम पंचायत पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले के द्वारा 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले ने बताया कि ग्राम के 2 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु होने के उपरांत शासन से मिलने वाली मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल योजना के अंतर्गत) अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत मृत व्यक्तियों के परिजनों को 5-5 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है। साथ ही शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर वीरेन्द्र बनवाले, पूर्व सरपंच श्रीमती रूपा बनवाले, सचिव सुरेन्द्र भंडारकर सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मेहदोली के ६५ से अधिक पैतृक कांग्रेसियों ने खोला मोर्चा, विधायक को सौंपा सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी का पत्र

6 फीट के विधायक को 4 फीट के नेता जेब में रखने का करते हैं दावा, फर्जी नेताओं की कारगुजारियों से नाराज ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहदोली में कांग्रेस पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह और भारी असंतोष का एक बड़ा मामला सामने आया है। विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी के अंतर्गत आने वाले इस ग्राम के ६५ से अधिक निष्ठावान और पैतृक कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल के नाम एक अत्यंत गंभीर शिकायती आवेदन सौंपकर गांव के ही कुछ नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ये दो व्यक्ति स्वयं को विधायक विवेक पटेल का करीबी बताकर गांव में फर्जी तरीके से धौंस जमा रहे हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। असंतोष इस कदर बढ़ चुका है कि कार्यकर्ताओं ने मांग पूरी नही होने पर सामूहिक रूप से कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने तक की चेतावनी दे डाली है।

नकली कांग्रेसी विधायक पद, गरिमा और उनके नाम का कर रहे दुरुपयोग

विधायक विवेक पटेल को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम मेहदोली में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग ४० मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन गांव के ही दो स्वघोषित कार्यकर्ताओं के द्वारा थाना रामपायली और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनी में लगातार रेत परिवहन और अन्य विषयों को लेकर झूठी शिकायतें की जा रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार वे नदी से अवैध रूप से रेत नहीं लाते हैं फिर भी इन झूठी शिकायतों के कारण गांव में निर्माण कार्य के लिए रेत मिलना मुश्किल हो गया है। इसके चलते कई गरीब किसानों और ग्रामीणों के मकानों की छतें आज तक नहीं डल पाई हैं और लोग आशियाने के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं। जो रेत गांव में निर्माण कार्यों के लिए सामान्यत ८०० रूपये में मिलनी चाहिए थी वह इन झूठी शिकायतों और विवादों के कारण अब १५०० में ब्लैक में बिक रही है। इससे ग्रामीणों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ये दोनों व्यक्ति खुद को विधायक का खास बताते हुए कहते हैं कि विधायक हमारा है हमने उन्हें लिखकर दिया है और हम विधायक को जेब में रखकर चलते हैं।

ग्रामीण परिवारों का कहना है कि वे लोग विधायक पद की गरिमा और उनके नाम का सरेआम दुरुपयोग कर रहे हैं। मेहदोली के पटले परिवार सहित गांव के सभी पैतृक कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने इस स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने विधायक विवेक पटेल को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि इस विषय को गंभीरता से लेकर इन दोनों व्यक्तियों की गतिविधियों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो वे सभी मजबूरन कांग्रेस पार्टी से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देंगे। इस दौरान आदित्य सुनील पटले ,प्रभुदयाल रेकचंद पटले ,अभय राजाजी पटले ,मोहित भीकम पटले ,तरुण संतोष पटले ,पीयूष रमेश पटले ,आलोक मदनलाल पटले ,राजेश ताराचंद पटले ,जगदीश साहेबलाल पटले ,दीपक चेतराम पटले ,देवेन्द्र बाबूराम पटले, युवराज प्रेमलाल रहांगडाले, राहुल बाबूलाल पटले, साहिल सुनील पटले ,तुलसीराम पटले ,पंकज पटले सहित ६५ से अधिक ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर इस मामले में विधायक विवेक पटेल से तुरंत अपने स्तर पर उचित और कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

दलबदल लोगो से सावधान रहने विधायक को सौंपा है ज्ञापन-आदित्य पटले

ग्रामीण आदित्य पटले ने बताया कि हम कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोग हैं सुबह शाम कांग्रेस कार्यालय नहीं आ सकते विधायक विवेक पटेल से जनसंपर्क में नहीं रह सकते। परंतु चुनाव के दौरान हम विधायक के साथ मिलकर काम करते हैं मेरे गांव में २५ प्रतिशत भी कांग्रेस नहीं है ,उसके बावजूद हमने मेहनत कर ५०० से अधिक वोट दिलाए थे। मेरे घर में १०० वोट है और साथ में जो लोग है उनका भी परिवार है ,आज हमारे लोगों के काम नहीं हो रहे हैं गांव में किसी प्रकार का काम नहीं आ रहा है। हमने विधायक विवेक पटेल को एक आवेदन दिया है कि गांव के जो दो नकली कांग्रेसी है जिनके कारण काम नहीं हो पा रहे हैं। जनता व हम सभी परेशान हो रहे हैं विधायक इन दोनों व्यक्तियों को काम दिलवा दे या उनकी सहेली में सुधार करें । यह लोग गांव में रहते हैं कि विधायक को हमने जिताया है वह हमारे जेब में है तो विधायक ६ फीट का है यह चार फीट के है कैसे जब में आएंगे। पता नहीं यह व्यक्ति जयराम ठाकरे और अतुल पटले हैं सुबह शाम कांग्रेस कार्यालय आकर गांव के बारे में फर्जी बातें बताते है। इसे सभी कांग्रेसी परेशान है हमारी दुश्मनी किसी से नहीं है ,परंतु इनमें सुधार करें या दलबदल लोग हैं भविष्य में सभी कांग्रेस से अपना समर्थन हटा देंगे।

नहाने गई बुजुर्ग महिला के घर से १८००० रुपये पार

न्याय के लिए थाने के चक्कर काटने को मजबूर पीड़िता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम बड़गांव के नयाटोला में एक बुजुर्ग महिला के घर में दिनदहाड़े चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। घटना बीते २४ जून की है जब पीड़िता उर्मिला राडे पति मोहन राडे उम्र ५५ वर्ष अपने घर के भीतर स्नान करने गई थीं। इसी बीच अज्ञात तत्वों के द्वारा घर में रखे करीब १८००० रुपये नकद पार कर दिए गए। घटना के बाद से पीड़ित महिला न्याय और अपने मेहनत की गाढ़ी कमाई वापस पाने के लिए लगातार वारासिवनी थाने के चक्कर काट रही है ,परंतु पुलिस प्रशासन की कथित उदासीनता के कारण अब तक मामले में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है।

नागपुर में मजदूरी कर जुटाए थे पैसे

प्राप्त जानकारी के अनुसार नयाटोला निवासी उर्मिला राडे का परिवार बेहद गरीब है और मजदूरी ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। उर्मिला अपने परिवार के साथ नागपुर के दो नंबर नाके के पास रहकर कड़ी मेहनत और मजदूरी करती थीं। दिन रात पसीना बहाकर जोड़ी गई रकम को लेकर वह बीते १० जून को ही अपने गृह ग्राम नयाटोला लौटी थीं। घटना वाले दिन यानी २४ जून को उर्मिला प्रतिदिन की तरह अपने दैनिक कार्यों में लगी हुई थीं। उन्होंने चूल्हे के पास एक थैली और पन्नी में अपने करीब २०००० रुपये रखे थे और स्वयं नहाने चली गईं। जब वह स्नान कर बाहर लौटीं तो उनके होश उड़ गए चूल्हे के पास रखी रुपयों से भरी थैली गायब थी। छानबीन करने पर पता चला कि थैली में से करीब १८००० रुपये गायब थे। रुपये गायब होने के बाद जब पीड़ित महिला ने आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ की तो कुछ ग्रामीणों ने बताया कि मोहल्ले के ही कुछ बच्चे वह पैसे लेकर गए हैं। इस संबंध में जब महिला ने बच्चों के माता पिता से बात की तो उन्होंने साफ मना कर दिया। मामले को सुलझाने के लिए ग्राम में एक सामाजिक बैठक मीटिंग भी बुलाई गई। बैठक में जब बच्चों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही थी और चोरी का राज खुलने ही वाला था तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने हस्तक्षेप करते हुए सभी बच्चों को वहां से भगा दिया जिससे मामला पूरी तरह से उलझ गया। ग्रामीण स्तर पर कोई समाधान नही निकलने के बाद हताश पीड़िता ने २७ जून को वारासिवनी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में पड़ोस के बच्चों के द्वारा पैसे निकालने का संदेह व्यक्त किया गया था। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया है। पुलिस द्वारा नही तो अब तक घटना स्थल का मौका निरीक्षण किया गया और ना ही पीड़िता से विस्तार से चर्चा की गई है। वर्तमान में पीड़ित बुजुर्ग महिला मानसिक और आर्थिक रूप से बेहद परेशान है। मजदूरी के पैसों की चोरी हो जाने से परिवार के सामने संकट खड़ा हो गया है। पीड़िता ने पुलिस के उच्च अधिकारियों और प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच की जाए, संदेही बच्चों व उनके परिजनों से कड़ाई से पूछताछ की जाए और उसकी मेहनत की कमाई उसे वापस दिलाई जाए।

घर में राशन चावल तेल कुछ भी नहीं है गली गली के हम हो गए -उर्मिला राडे

उर्मिला राडे ने चर्चा में बताया कि मैं नहाने के लिए गई हुई थी तो मेरे रुपए चोरी हो गए। घर के अंदर से हम मजदूरी करने के लिए नागपुर जाते हैं वहां से काम कर रुपए कमा कर लाए थे। दो नंबर नाके पर हम काम करते थे १० जून को हम अपने गांव आए २४ जून को चोरी हुई इसकी सूचना हमने थाने में भी दिए हैं। यहां कहा गया कि हम आएंगे परंतु कोई नहीं आया हम शिकायत कर चुके हैं ,हम चाहते हैं कि घर जाकर चोरी करने वालों से बात करें। हमें पता है कि बच्चों ने चोरी किया है ३ दिन तक मैं उन बच्चों के घर गई तो कुछ पता नही चला पर मीटिंग रखी गई । जिसमें बच्चों से बात कर रहे थे और वह बताने वाले ही थे कि दूसरे व्यक्ति ने आकर उन्हें भगा दिया। आज हमारे घर में राशन चावल तेल कुछ भी नहीं है गली गली के हम हो गए हैं कहां से मैं अपने बच्चों का पालन करु कुछ समझ नहीं आ रहा है पुलिस से यही मांग है कि वह हमें हमारी राशि वापस दिलवाएं।

सविता टॉकीज के सामने हुआ जलभराव घरों तक पहुंचा पानी

वार्ड वासियों ने नगर पालिका से पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वारासिवनी रामपायली मार्ग पर स्थित सविता टॉकीज के सामने महज डेढ़ से दो घंटे की बारिश में सड़क में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नही होने के कारण करीब ५० मीटर के दायरे में भारी जलभराव की स्थिति बनी रही। जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जहां लोगों के द्वारा स्थानीय प्रशासन से समुचित व्यवस्था बनाने और जल भराव की समस्या का निदान करने की मांग की है।

दोपहर में अचानक बदला मौसम छा गया अंधेरा

शनिवार की सुबह से ही नगर में तेज धूप खिली हुई थी और लोग उमस से परेशान थे। लेकिन दोपहर करीब २ बजे अचानक मौसम ने करवट ली। आसमान में घने काले बादल छा गए और दिन में ही अंधेरा सा महसूस होने लगा। इसके तुरंत बाद शुरू हुआ तेज बारिश का दौर जो करीब डेढ़ घंटे तक अनवरत जारी रहा। इसके बाद शाम करीब ४ बजे एक बार फिर तेज बारिश हुई जिससे नगर की नालियां उफान पर आ गईं और चारों तरफ पानी ही पानी नजर आने लगा। सविता टॉकीज के सामने जलभराव की स्थिति इस कदर विकराल हो गई कि सड़क पर पानी जमा हो गया। इस दौरान वहां से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहनों के निकलने से जो पानी उछल रहा था वह सड़क किनारे पैदल चल रहे लोगों के कपड़ों को खराब कर रहा था। सबसे ज्यादा बदतर स्थिति सड़क किनारे निवासरत लोगों की हुई। वाहनों की रफ्तार के कारण सड़क पर जमा पानी की लहरें लोगों के घरों के दरवाजों तक पहुंच रही थीं और पानी घरों के भीतर घुसने के लिए उतारू दिख रहा था जिससे स्थानीय लोग बेहद चिंतित नजर आए। विदित है कि यह स्थिति कोई पहली बार नहीं बनी है। बीते कुछ वर्षों से इस विशेष स्थान पर पानी निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण हर बार बारिश में यह सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है। कुछ वर्ष पहले प्रशासन ने औपचारिकता पूरी करते हुए डिवाइडर को बीच से काट दिया था ताकि पानी दूसरी तरफ निकल सके। लेकिन यह प्रयास पूरी तरह नाकाफी साबित हुआ क्योंकि वहां से पूरा पानी साफ नहीं हो पाता है। जलभराव का मुख्य कारण मौके पर बनी नाली का व्यवस्थित नही होना है। सड़क किनारे नाली का निर्माण तो किया गया है लेकिन वह केवल बीच के हिस्से में ही बनी हुई है। नाली के दोनों तरफ निकासी के छोर बंद हैं। जब आगे पानी बहने का रास्ता ही नहीं है तो नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर जमा हो जाता है। हर साल होने वाली इस समस्या से राहगीर और रहवासी दोनों ही त्रस्त हैं। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का स्थाई समाधान करते हुए नाली के दोनों छोर खोले जाएं और पानी निकासी की उचित व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में लोगों को इस स्थिति से जूझना ना पड़े।

जब तक पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होगी तब तक जल भराव होता रहेगा-राकेश चौबे

वार्डवासी राकेश चौबे ने बताया कि हमेशा बारिश में यहां पर पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो जाती है इस विषय को लेकर कई बार शिकायतें नगर पालिका में की गई है परंतु उनके कर्मचारी आते हैं थोड़ा खोदते हैं और चले जाते हैं अभी यहां पर आदि अधूरी नाली बनी हुई है । निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है हर वर्ष की यही दिक्कत है जब तक पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होगी तब तक जल भराव होता रहेगा। यहां से पानी निकालने के लिए कोई पाइपलाइन भी नहीं डाली गई है दोनों तरफनाली बन्द है,यदि व्यवस्था बनाएंगे तो समस्या खत्म होगी क्योंकि इस प्रकार पानी जमा होने से राहगीर और हम किनारे निवासरत लोगों को समस्या तो है ही रोड भी खराब हो रही है पानी जाने का यहां रास्ता नहीं बनाया गया है।

सरस्वती स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी से बचाव की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। थाना वारासिवनी पुलिस द्वारा सरस्वती स्कूल में ४ जुलाई को साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे साइबर क्लिक साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों को इंटरनेट एवं सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। वहीं विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से जागरूक किया गया तथा डिजिटल दुनिया में सावधानी बरतने का संदेश दिया गया।इस दौरान पुलिस उपनिरीक्षक आशीष वरकडे ने बताया कि विद्यार्थियों को फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, बैंकिंग धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग जैसे अपराधों से सतर्क रहना चाहिए। साथ ही बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन १९३० पर शिकायत दर्ज कराएं तथा साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत की जा सकती है। इस अवसर पर छात्र छात्राएं पुलिस अधिकारी सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

डायरिया रोको अभियान के तहत धनसुआ एवं ओदा में पेयजल स्त्रोतों का किया गया क्लोरीनेशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 4 जुलाई 2026 को बालाघाट विकासखंड के ग्राम धनसुआ एवं ग्राम ओदा में विभागीय अमले द्वारा पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन किया गया। अभियान के दौरान हैंडपंपों एवं अन्य पेयजल स्त्रोतों में निर्धारित मानकों के अनुसार क्लोरीन का उपयोग कर जल को सुरक्षित बनाने की कार्रवाई की गई, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके और डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम की जा सके। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, पानी को साफ एवं ढंककर रखने, घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा डायरिया के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह भी दी। साथ ही लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने, भोजन से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने तथा दूषित पानी के सेवन से बचने के प्रति जागरूक किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के दौरान जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी, क्लोरीनेशन एवं

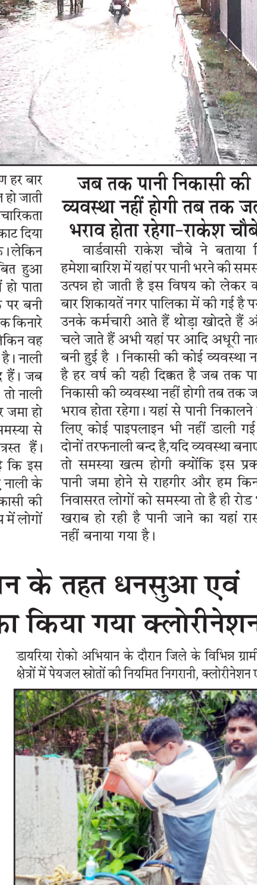

जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य निरंतर जारी रहेगा, ताकि आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके और वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों की रोकथाम प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के स्वाभिमान से खिलवाड़ अनुचित

युद्ध में चाहे किसी शक्तिसंपन्न देश की सैना कितना भी उच्च प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सुविधाओं व साधनों से समृद्ध हो इसके बावजूद जानमाल की कम या ज्यादा हानि स्वाभाविक है इससे न तो सैना की ताकत पर कोई सवाल खड़ा किया जा सकता है और नहीं युद्ध कौशल को संदेह के घेरे में लाना चाहिए और न सरकार पर आरोप लगाना उचित होगा । आपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद खुल कर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफ शब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। शहादत शहादत होती है यह सिर्फ एक सैनिक के जीवन मात्र का मामला नहीं है इस के पीछे समूचे राष्ट्र का सम्मान जुड़ा है किसी शहादत पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मुद्दा हीन विपक्ष मोदी सरकार को घेरने का बहाना ढूंढना चाहता है और शायद इसी लिए राष्ट्र मान और राष्ट्र हित को दरकिनार कर शहादत पर विवादित बयानबाजी की जा रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। कहा जा रहा है इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां। वास्तव में सेना जो भी करती है, उसकी तारीफ की हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का काफी नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। यकीनन कोई भी देश युद्ध या विवाद के दौरान अपने नुकसान का ढिंढोरा नहीं पीटता है सभी विरोधी देश के नुकसान को बढ़ा चढ़ा कर बताते हैं। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने गरियाना शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर संसद को गुमराह किया गया।

विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 में ऐतिहासिक सुधार

वैश्विक स्तरपर भारत तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रहा है। वैश्विक निवेश आकर्षित करने,घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार नियामकीय सुधार कर रही है।आधुनिक अर्थव्यवस्था में केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं होते, बल्कि ऐसे कानून आवश्यक होते हैं जो ईमानदार कारोबारियों को अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक त्रुटियों को सुधारने का अवसर दें और साथ ही जानबूझकर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।इसी सोच के अनुरूप जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के अंतर्गत सुधार नोटिस व्यवस्था लागू की गई है।यह सुधारभारतीय नियामकीय व्यवस्था में दंडात्मक मानसिकता से विश्वास- आधारित अनुपालन की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बताना चाहूंगा कि विधिक मापविज्ञान किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है।जब कोई उपभोक्ता एक किलो चीनी,एक लीटर दूध,पांच सौ ग्राम मसाला, एक पैकेट दवा या किसी इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद को खरीदता है,तब वह इस विश्वास के साथ खरीदारी करता है कि पैकेट पर अंकित मात्रा, वजन, माप,मूल्य तथा अन्य जानकारी सही है। यही विश्वास बाजार व्यवस्था की आत्मा है।यदि वजन,माप और पैकेजिंग में पारदर्शिता समाप्त हो जाए तो उपभोक्ता संरक्षण,निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक विश्वसनीयता तीनों प्रभावित होते हैं। इसलिए दुनियाँ के लगभग सभी विकसित देशों में लीगल मेट्रोलॉजी से जुड़े कठोर मानक लागू हैं। भारत भी इसी वैश्विक व्यवस्था का सटीक हिस्सा है। साथियों, अब तक की व्यवस्था में कई बार ऐसा होता था कि कोई व्यापारी,निर्माता,पैकर या आयातक केवल किसी प्रक्रियात्मक या दस्तावेजी त्रुटि के कारण भी दंडात्मक कार्रवाई का सामना करता था। कई मामलों में गलती धोखाधड़ी नहीं बल्कि तकनीकी अथवा प्रशासनिक चूक होती थी। इससे छोटे व्यापारियों तथा एमएसएमई इकाइयों पर अनावश्यक आर्थिक और कानूनी बोझ पड़ता था। सरकार ने महसूस किया किजानबूझकर किए गए अपराध और पहली बार हुई प्रक्रियात्मक गलती में अंतर होना चाहिए। इसी सोच के तहत पहले सुधारो, फिर कार्रवाई की नीति अपनाई गई है।नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई विनियमित संस्था पहली बार प्रक्रियात्मक या नियामकीय नियमों का उल्लंघन करती है, तो संबंधित विधिक मापविज्ञान अधिकारी सीधे जुर्माना या अभियोजन शुरू करने के बजाय सुधार नोटिस जारी करेगा। इस नोटिस में स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि कौन-सी कमी पाई गई है, उसे किस प्रकार दूर करना है तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन करना होगा। यदि संबंधित संस्था समय पर त्रुटि सुधार देती है तो अनावश्यक मुकदमेबाजी तथा दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सकेगा। इससे प्रशासनिक संसाधनों की भी बचत होगी और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनेगा। साथियों, यह सुधार विशेष रूप से निर्माताओं,आयातकों पैकिंग करने वालों, डीलरों, मरम्मत कर्ताओं, व्यापारियों, वितरकों तथा सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए महत्वपूर्ण है। अक्सर छोटे व्यवसायों के पास बड़े उद्योगों जैसी कानूनी विशेषज्ञता उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में दस्तावेजी या पंजीकरण संबंधी त्रुटियां अनजाने में हो सकती हैं। नई व्यवस्था ईमानदार व्यवसायों को बिना भय के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करेगी।सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह राहत केवल पहली बार होने वाली प्रक्रियात्मक अथवा नियामकीय त्रुटियों तक सीमित रहेगी। यदि सुधार नोटिस के बावजूद निर्धारित समय में अनुपालन नहीं किया जाता अथवा भविष्य में वही उल्लंघन दोहराया जाता है,तो संबंधित संस्था के विरुद्ध विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था में बार- बार नियम तोड़ने वालों के लिए दंड और अधिक कठोर बनाया गया है। दूसरी बार उल्लंघन पर लगभग आठ गुना तक तथा तीसरी बार बार-बार नियम तोड़ने पर बीस गुना तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकार ईमानदार व्यापार को प्रोत्साहित करेगी, लेकिन जानबूझकर नियमों की अवहेलना करने वालों को किसी प्रकार की सटीकता से राहत नहीं मिलेगी।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि इस सुधार से उनके अधिकार किसी भी प्रकार कमजोर नहीं होंगे। यदि कोई व्यापारी जानबूझकर कम वजन देता है, नाप-तौल के उपकरणों में छेड़छाड़ करता है, झूठी जानकारी देता है, उपभोक्ताओं को धोखा देता है या बार-बार नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध बिना किसी ढिलाई के तत्काल कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।अर्थात यह सुधार केवल ईमानदार व्यवसायों को राहत देने के लिए है, धोखाधड़ी करने वालों को संरक्षण देने के लिए नहीं।सुधार नोटिस व्यवस्था मुख्य रूप से उन मामलों पर लागू होगी जो प्रक्रियात्मक और नियामकीय प्रकृति के हैं। इनमें पंजीकरण आवश्यकताएं, दस्तावेजों का रखरखाव, रिकॉर्ड संधारण,मॉडल अनुमोदन,बाट एवं मापउपकरणों का निर्माण, बिक्री और मरम्मत, आयात संबंधी प्रक्रियाएं, पैकेटबंद वस्तुओं के नियम,वैधानिक घोषणाएं तथा नियत समय में रिटर्न दाखिल करना जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। इन क्षेत्रों में पहली बार हुई त्रुटि पर सुधार का सटीकता से अवसर दिया जाएगा। साथियों,विधिक मापविज्ञान अधिनियम की अनेक धाराएं इस सुधार के दायरे में लाई गई हैं।इनमें धारा 25 (गैर-मानक बाट या माप का उपयोग), धारा 27 (गैर-मानक बाट या माप का निर्माण या बिक्री),धारा 28 (निर्धारित मानकों के विरुद्ध लेन-देन),धारा 29 (गैर- मानकइकाइयों का उद्धरण या प्रकाशन), धारा 31 (आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करना), धारा 32 (मॉडल अनुमोदन प्राप्त न करना), धारा 34 (गैर-मानक बाट या माप से बिक्री या वितरण), धारा 35 (गैर-मानक माप के आधार पर सेवाएं प्रदान करना), धारा 36(1) (गैर- मानक पैकेजिंग वाली वस्तुओं की बिक्री),धारा 38 (पंजीकरण के बिना आयात), धारा 39 (गैर-मानक बाट और माप का आयात), धारा 41(1) एवं 41(2) (झूठी जानकारी या झूठे विवरण देना), धारा 45 (बिना पंजीकरण निर्माण), धारा 46 (बिना पंजीकरण मरम्मत, बिक्री या व्यापार) तथा धारा 47 (पंजीकरण प्रमाणपत्र में छेड़छाड़) जैसे प्रावधान शामिल हैं। साथियो, इन धाराओं में पहली बार की प्रक्रियात्मक चूक पर सुधार नोटिस का लाभ मिल सकेगा, जबकि गंभीर या जानबूझकर किए गए अपराधों में कठोर कार्रवाई यथावत जारी रहेगी। यह सुधार वैश्विक स्तर पर अपनाए जा रहे रिस्पांसिव रेगुलेशन , ट्रस्ट - बेस्ड गवर्नेंस तथा कम्पलायंस फर्स्ट , पनिशमेंट लॉटर जैसे सिद्धांतों के अनुरूप है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नियामक संस्थाएं पहले व्यवसायों को नियम समझाती हैं, सुधार का अवसर देती हैं और केवल बार-बार उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई करती हैं। भारत की नई व्यवस्था भी इसी आधुनिक नियामकीय दर्शन की ओर बढ़ता कदम है। साथियों, विश्व बैंक,आर्थिक सहयोग और विकास संगठन सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं लंबे समय से यह सुझाव देती रही हैं कि नियमन का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं बल्कि अनुपालन सुनिश्चित करना होना चाहिए। यदि व्यवसाय स्वेच्छा से नियमों का पालन करें तो मुकदमों, निरीक्षणों और प्रशासनिक लागत में उल्लेखनीय कमी आती है। भारत का यह सुधार इसी दिशा में महत्वपूर्ण माना जा सकता है। साथियों, व्यापारिक दृष्टि से यह सुधार विशेष महत्व रखता है। इससे छोटे उद्योगों पर अनुपालन लागत कम होगी, कानूनी विवाद घटेंगे, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा तथा विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। विशेष रूप से मेक इन इंडिया,आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया तथा एमएसएमई विकास जैसे कार्यक्रमों को इससे अप्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। विदेशी निवेशक भी ऐसे देशों को प्राथमिकता देते हैं जहां नियम स्पष्ट, पारदर्शी और पूर्वानुमेय हों।दूसरी ओर उपभोक्ता हित भी पहले की तरह सुरक्षित रहेंगे। यदि कोई व्यापारी जानबूझकर कम वजन देकर आर्थिक लाभ कमाता है, पैकेज पर गलत जानकारी लिखता है, माप उपकरणों में तकनीकी छेड़छाड़ करता है या उपभोक्ता को भ्रमित करता है, तो ऐसे मामलों में सुधार नोटिस का दुरुपयोग नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता हितों के विरुद्ध गंभीर अपराधों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। इस प्रकार यह सुधार व्यापार और उपभोक्ता—दोनों के हितों के बीच संतुलन स्थापित करता है। साथियों, प्रशासनिक दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। अब प्रवर्तन अधिकारी अपना अधिक समय और संसाधन उन मामलों पर केंद्रित कर सकेंगे जिनमें वास्तविक धोखाधड़ी, संगठित उल्लंघन अथवा उपभोक्ता शोषण हो रहा है। इससे निरीक्षण प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी तथा न्यायिक तंत्र पर मुकदमों का बोझ भी कम होगा।दीर्घकालिक दृष्टि से देखा जाए तो यह सुधार केवल एक कानूनी संशोधन नहीं बल्कि शासन की बदलती सोच का प्रतीक है।सरकार अब डरआधारित अनुपालन के बजाय विश्वास आधारित अनुपालन को बढ़ावा देना चाहती है। इससे उद्योग और सरकार के बीच सहयोग की भावना विकसित होगी, नियामकीय पारदर्शिता बढ़ेगी तथा आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि विधिक मापविज्ञान अधिनियम,2009 के अंतर्गत लागू की गई सुधार नोटिस व्यवस्था भारत की नियामकीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुधार एक ओर ईमानदार कारोबारियों को पहली गलती सुधारने का अवसर देता है,वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की नीति को और मजबूत करता है। पहले सुधारो, फिर कार्रवाई का यह सिद्धांत भारत को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी, व्यवसाय-अनुकूल और उपभोक्ता-केंद्रित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। यदि इसका प्रभावी क्रियान्वयन राज्यों में समान रूप से किया जाता है, तो यह न केवल व्यापार सुगमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा बल्कि भारत की वैश्विक आर्थिक विश्वसनीयता और विश्वास-आधारित शासन की पहचान को भी मजबूत करेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मजबूत लोकतंत्र के लिये दागी नेताओं से मुक्ति जरूरी

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया। अनेक आयोग बने, कानून बने और चुनाव सुधारों की चर्चाएं भी हुईं, लेकिन जब भी कोई ठोस एवं प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने अपने-अपने हितों के अनुसार उसका समर्थन अथवा विरोध किया। परिणाम यह हुआ कि राजनीतिक शुचिता का प्रश्न आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिससे सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। यह और ब ?ी विडम्बना है कि जिस विषय पर पूरे राष्ट्र की सहमति होनी चाहिए, वही विषय राजनीतिक टकराव का माध्यम बन जाता है। आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की ब ?ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में भाजपा सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पाँच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था। निश्चित ही संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि कोई जनप्रतिनिधि हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद अथवा संगठित अपराध जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में है, तो क्या वह जनता का प्रतिनिधित्व करने का नैतिक अधिकार बनाए रखता है? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिकता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। हालांकि इस प्रकार के कानून पर कई संवैधानिक प्रश्न भी उठते हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को तब तक निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। केवल आरोप के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार भी बन सकता है। विपक्षी दलों की यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं होंगे तो सत्ता में बैठी सरकारें विरोधियों के विरुद्ध जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में प्राकृतिक न्याय, न्यायिक समीक्षा और निष्पक्ष जांच की सुदृढ़ व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। लेकिन इन आशंकाओं के कारण सुधार की पूरी प्रक्रिया को रोक देना भी उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में सुधार का अर्थ किसी दल को लाभ या हानि पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करना है। यदि कानून संतुलित, पारदर्शी और न्यायसंगत हो तो वह लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि अधिक विश्वसनीय बनाता है। भारत की राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। बिहार में लालू प्रसाद यादव से लेकर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों तक, विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक नेता ऐसे रहे हैं जो गंभीर आरोपों अथवा जेल में रहने के बावजूद सत्ता पर बने रहने का प्रयास करते रहे। यह किसी एक दल का प्रश्न नहीं है, लगभग सभी बड़े राजनीतिक दल समय-समय पर इस आलोचना के घेरे में रहे हैं। जेल से सरकार चलाने अथवा संवैधानिक पद पर बने रहने की मानसिकता लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। यह सही है कि कानून अपना कार्य करेगा और न्यायालय अंतिम निर्णय देगा, किंतु सार्वजनिक जीवन केवल कानूनी वैधता से नहीं चलता, उसका आधार नैतिक वैधता भी होती है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि आदर्शों का भी प्रतीक होता है। यदि उसके ऊपर गंभीर आरोप हों और वह फिर भी पद से चिपका रहे, तो जनता का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है। राजनीति में पद त्यागना पराजय नहीं, बल्कि नैतिक साहस का परिचायक होता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसमें आर्थिक प्रगति के साथ सुशासन, डिजिटल पारदर्शिता, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, एक्सप्रेस-वे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज आर्थिक विकास से नहीं बनेगा, वह तभी बनेगा जब शासन चलाने वाले व्यक्तियों की विश्वसनीयता भी उतनी ही मजबूत होगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की राजनीति भी विश्व के लिए आदर्श बननी चाहिए। आज आवश्यकता केवल कानून बदलने की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति बदलने की भी है। राजनीतिक दलों को चुनावी टिकट देते समय उम्मीदवार के चरित्र, सार्वजनिक जीवन, सामाजिक सेवा और नैतिक छवि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय कई बार राजनीतिक दलों से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करने को कह चुका है, किंतु व्यवहार में इसमें अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। यदि राजनीतिक दल स्वयं आत्मानुशासन नहीं अपनाएंगे, तो केवल कानून से समस्या का समाधान संभव नहीं होगा। इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी व्यापक सुधार अपेक्षित हैं। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का वर्षों तक लंबित रहना लोकतंत्र के लिए घातक है। विशेष न्यायालयों द्वारा समयबद्ध सुनवाई, निष्पक्ष जांच और शीघ्र निर्णय की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि न निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक संदेह के घेरे में रहे और न दोषी व्यक्ति कानून की तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर जनता का प्रतिनिधित्व करता रहे। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान से नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र से सुनिश्चित होती है। जब तक राजनीति में नैतिकता, सेवा, त्याग और उत्तरदायित्व की भावना नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार और अपराध का दुष्चक्र पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, किंतु राष्ट्रीय हित से जुड़े सुधारों का विरोध केवल राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं होना चाहिए। यदि किसी प्रस्ताव में कमियां हैं तो उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाएं, लेकिन सुधार की दिशा को अवरुद्ध करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जा सकता। आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

एक ओर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न है, तो दूसरी ओर राजनीति की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की चुनौती भी है। इन दोनों लक्ष्यों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। आर्थिक विकास और नैतिक विकास समानांतर चलेंगे तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। समय की पुकार है कि सत्ता और विपक्ष दोनों दल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर लोकतंत्र की पवित्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। देश की राजनीति को आपराधिक छवि के लोगों से मुक्त करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए जो कानून बने, उसमें अपराधों की प्रकृति स्पष्ट किए जाने से लेकर ऐसे सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है, ताकि महज बदले या किसी सरकार को अस्थिर करने की मंशा से इसका दुरुपयोग न हो सके।

-ललित गर्ग

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस नई शिक्षा क्रांति की ओर बढ़ता भारत

-कांतिलाल मांडोत

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। अब भारतीय विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाने की अनिवार्यता नहीं रहेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, इलिनोइस टेक, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी और एबरडीन जैसी प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने स्वतंत्र कैंपस स्थापित कर रही हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अब तक पंद्रह विदेशी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए जा चुके हैं और इनमें से अधिकांश विश्वविद्यालय अगस्त से अपने पहले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करेंगे। यह केवल शिक्षा के विस्तार का प्रयास नहीं बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा, शोध सुविधाएं और वैश्विक अवसर अपने ही देश में उपलब्ध कराना है। इससे लाखों छात्रों और उनके परिवारों को विदेश जाने में आने वाले भारी खर्च और अन्य चुनौतियों से राहत मिलेगी। इन विश्वविद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि भारत में संचालित कैंपस का पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और डिग्री पूरी तरह उसी स्तर की होगी जो उनके मूल विदेशी कैंपस में लागू होती है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का समझौता नहीं करना पड़ेगा। उन्हें वही गुणवत्ता, वही शिक्षण पद्धति और वही अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त होगी जो विदेश में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलती है। भारत में स्थापित होने वाले इन कैंपसों का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ना भी है। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क ने मुंबई के युवा उद्यमियों के संगठन के साथ समझौता कर छात्रों को स्टार्टअप और नवाचार से जोड़ने की पहल की है। इसी प्रकार इलिनोइस टेक अपने भारतीय परिसर के लिए अमेरिका तथा अन्य देशों के अनुभवी प्रोफेसरों की नियुक्ति कर रहा है ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक वैश्विक शैक्षणिक वातावरण मिल सके। इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यता भी स्पष्ट रखी गई है। सामान्यत: बारहवीं में लगभग पचहत्तर प्रतिशत अंक तथा स्नातक स्तर पर पचपन से सत्तर प्रतिशत तक अंक आवश्यक होंगे। जिन छात्रों के अंग्रेजी विषय में अच्छे अंक होंगे उन्हें कई मामलों में आईईएलटीएस जैसी परीक्षा देने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। इससे योग्य भारतीय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया अधिक सरल और सुलभ बनेगी। विद्यार्थियों को भारत में पढ़ाई करते हुए एक या दो सेमेस्टर संबंधित विश्वविद्यालय के विदेशी कैंपस में अध्ययन करने का अवसर भी मिलेगा। इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव, वैश्विक संस्कृति और विदेशी उद्योगों से जुड़ने का लाभ मिलेगा। उदाहरण के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी अपने छात्रों को ब्रिटेन में अध्ययन और शोध करने की सुविधा उपलब्ध कराएंगी। इससे छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगार की संभावनाएं दोनों मजबूत होंगी। फैकल्टी की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। भारतीय और विदेशी शिक्षकों का संतुलित मिश्रण तैयार किया जाएगा। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ने घोषणा की है कि उसकी लगभग एक तिहाई फैकल्टी सीधे मेलबर्न से आएगी। वहीं भारतीय मूल के ऐसे प्रोफेसरों को भी नियुक्त किया जाएगा जिन्होंने विदेशी विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारतीय परिस्थितियों दोनों का लाभ मिलेगा। शोध और तकनीकी विकास को भी इन विश्वविद्यालयों की प्राथमिकता बनाया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग तथा स्टेम विषयों पर विशेष फोकस रहेगा। आधुनिक प्रयोगशालाएं, अत्याधुनिक शोध सुविधाएं और वैश्विक संसाधनों तक पहुंच छात्रों को विश्वस्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरित करेगी। इससे भारत में नवाचार और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यापक व्यवस्था भी की गई है। योग्यता और आर्थिक आवश्यकता के आधार पर दस प्रतिशत से लेकर सौ प्रतिशत तक छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाएगी। कई विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष लाखों रुपये तक की आर्थिक सहायता देने की योजना बना चुके हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विदेशी विश्वविद्यालयों की फीस भारतीय संस्थानों की तुलना में अधिक अवश्य होगी लेकिन विदेश जाकर पढ़ने की तुलना में यह लगभग तीस से चालीस प्रतिशत कम रहेगी। विदेश में पढ़ाई पर जहां अस्सी लाख से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो सकता है वहीं भारत में वही डिग्री अपेक्षाकृत कम लागत में प्राप्त की जा सकेगी। साथ ही रहने, यात्रा और अन्य खर्चों में भी बड़ी बचत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं बल्कि वैश्विक पहचान, मजबूत एलुमनाई नेटवर्क, उत्कृष्ट प्रोफेसरों का मार्गदर्शन और अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इससे भारतीय युवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और वे विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। एक अनुमान के अनुसार अगले पांच वर्षों में प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने भारतीय परिसर में प्रतिवर्ष लगभग एक हजार से बारह सौ विद्यार्थियों को प्रवेश देगा। वहीं वर्ष 2040 तक भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपसों में पांच लाख साठ हजार से अधिक छात्र अध्ययन कर सकते हैं। इससे देश से बाहर जाने वाली लगभग एक सौ तेरह अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत होगी तथा शिक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत आगमन केवल शैक्षणिक परिवर्तन नहीं बल्कि देश की ज्ञान अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाला कदम है। इससे भारत वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर नई पहचान बनाएगा और लाखों विद्यार्थियों के सपनों को अपने ही देश में पंख मिलेंगे। यदि सरकार, विश्वविद्यालय और उद्योग जगत मिलकर इस पहल को सफल बनाते हैं तो आने वाले वर्षों में भारत विश्व का प्रमुख शिक्षा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। यह परिवर्तन न केवल विद्यार्थियों बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। नारियलों में श्रावण की माँग के मद्देनजर बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में भाव बने रहे। दलहनों में चना टिका रहा। अन्य दलहनों में भाव बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार किराना बाजार में व्यापार की मात्रा विशेष नहीं रही। नारियलों में श्रावणी माँग से बाजार मजबूत बने रहे। शक्कर में टिकाव देखा गया। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4330, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2000-2050, (160) 2350-2400, (200) 2500-2550, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1360-1370, सोया रिफाइंड 1430-1440, कपास्या 1470, धूलिया 1480, कड़ी 1475,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550-1570, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1480,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5900-5950, विशाल 5900, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5800-5850, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 234500, चाँदी (99) 234300, टंच 233800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 145300,

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही।

शेयर बाजार का तूफानी हफ्ता, सुस्त शुरुआत के बाद धमाकेदार अंत

मुंबई। एजेंसी। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार और मंगलवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के कारण बाजार लाल निशान में रहे, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल रहा। हालांकि, बुधवार और गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार ने शानदार वापसी की। सप्ताह के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों पर बंद होने में कामयाब रहे, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। हफ्ते की शुरुआत सोमवार 29 जून को भारतीय शेयर बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुस्ती के साथ हुई। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ अपने

अहम 24,000 के स्तर से नीचे आ गया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के बीच प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। इन दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमश: लगभग 0.48 फीसदी और 0.46 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया। हालांकि, बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने निवेशकों को सहारा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 फीसदी) और निफ्टी 140.10 अंक (0.59 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुए। गुरुवार को यह तेजी जारी रही, जिसे ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता से कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयरों में चौतरफा खरीदारी से बल मिला।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड, यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

नई दिल्ली। एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसके लिए आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा। इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा। हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नॉमिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे। उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है। इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना ने खींचा अनिवासी भारतीयों का ध्यान

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विशेष फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा योजना भारतीय बैंकों के लिए एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रही है, जिसके तहत 60 अरब डॉलर से अधिक की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा राशि आकर्षित करने की उम्मीद है। खाड़ी देशों, सिंगापुर और हांगकांग के एनआरआई इस विशाल राशि के मुख्य स्रोत बनने की उम्मीद है, जिसकी अधिकांश आवक अगस्त महीने में होने का अनुमान है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 4 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जो इसके सफल आगाज का संकेत है। योजना का खाका और बैंकों की रणनीति- आरबीआई ने 8 जून को इस योजना का खाका जारी किया था और हाल ही में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के माध्यम से परिचालन संबंधी स्पष्टीकरण भी दिए हैं। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने इसे सक्रिय रूप से लागू करना शुरू कर दिया है। ये बैंक विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि यह योजना निवेशकों को 9 गुना (9×) तक लीवरेज की सुविधा प्रदान करती है। इससे पांच साल के लिए डॉलर में लगभग 18-20% का प्रभावी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। यह योजना 8 जून से 30 सितंबर 2026 के बीच किए गए सभी नए एफसीएनआर(बी) जमा पर लागू होगी, जिसमें आरबीआई हेजिंग की पूरी लागत वहन करेगा। क्षेत्रीय फोकस और चुनौतियां- बैंकरों का मानना है कि खाड़ी देशों और एशिया के अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि वहां भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित है, जैसे दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर। वहीं अमेरिका के शेयर बाजार में जारी तेजी के कारण वहां के एनआरआई बैंक जमा के बजाय शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिका और लंदन से निवेश अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

मेष- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारियों और उपलब्धियों का अनोखा मिश्रण लेकर आया है। कामकाज का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है और कुछ लोग आपकी प्रगति से असहज होकर राह में रुकावटें खड़ी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य हर चुनौती पर भारी पड़ेंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा और किसी जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक संतोष मिलेगा।

वृषभ- आज खुशियां आपके आंगन में दस्तक दे सकती हैं। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर पूरे घर का माहौल उल्लास से भर सकती है। अतीत की कोई गलती आज आपको एक बड़ी सीख देकर जाएगी, जो भविष्य में आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। समाज में आपके कार्यों की सराहना होगी और लोग आपके व्यक्तित्व की प्रशंसा करेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग और आशीर्वाद आपके पक्ष में रहेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे लोगों को मनचाही सफलता मिलने के संकेत हैं। यदि कोई प्रिय वस्तु लंबे समय से खोई हुई थी, तो उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है।

कर्क- आज आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में चार चांद लग सकते हैं। लोग आपकी बातों और कार्यों को गंभीरता से सुनेंगे। हालांकि साझेदारी में कोई नया व्यवसाय शुरू करने के लिए समय अभी अनुकूल नहीं कहा जा सकता। सरकारी योजनाओं या सुरक्षित निवेश से जुड़े मामलों में आपको लाभ मिल सकता है।

सिंह- आज का दिन मित्रों की महफिल, स्वादिष्ट भोजन और यादगार पलों से भरा रह सकता है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कोई उलझन सुलझने से राहत मिलेगी। मित्रों का सहयोग हर कदम पर आपके साथ रहेगा और परिवार के साथ किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। हालांकि अपनी इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए आपको अच्छा-खासा खर्च करना पड़ सकता है।

कन्या- आज किस्मत आपके पक्ष में खड़ी नजर आ रही है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होती दिखाई देंगी और अचानक धन लाभ या कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है। अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें, क्योंकि यही आपकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी होगी। संतान किसी नए कोर्स या नई शिक्षा यात्रा की शुरुआत कर सकती है, जिससे आपको गर्व महसूस होगा।

तुला- आज आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत महसूस होगी। भविष्य को लेकर बनाई गई योजनाओं पर काम करने का अच्छा समय है। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। मौसम का प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए सावधानी बरतें।

वृश्चिक- आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता होगी। खानपान और दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा। लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान मिल सकता है, जिससे मन का बोझ हल्का होगा। किसी भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह आपके लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। परिवार के साथ मनोरंजन और हंसी-मजाक के पल बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु- आज आर्थिक लेन-देन के मामलों में सतर्क रहने की आवश्यकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाकर रखें। यदि परिस्थितियां आपके अनुसार न भी हों, तब भी धैर्य बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। नई नौकरी या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन रही है।

मकर- आज परिवार में खुशियों की फुहार पड़ सकती है। किसी पुराने मित्र से वर्षों बाद मुलाकात आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने के संकेत भी मिल रहे हैं। विद्यार्थी पूरी लगन से पढ़ाई करेंगे और उसके अच्छे परिणाम भी प्राप्त कर सकते हैं। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। विदेश में शिक्षा प्राप्त करने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को भी शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कुंभ- आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की सलाह दी जाती है। दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाना आपके लिए लाभदायक रहेगा। संतान के भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। ससुराल पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलने के संकेत हैं। परिवार के भीतर चल रही किसी समस्या का समाधान बातचीत और समझदारी से निकल सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए कई खुशखबरियां लेकर आ सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा और घर का वातावरण भी आनंदमय रहेगा। किसी कानूनी मामले में सफलता मिलने के संकेत हैं, जिससे बड़ी राहत महसूस होगी। किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी और आप उसे लेकर उत्साहित नजर आएंगे। धन संबंधी समस्याओं में सुधार आएगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होती दिखाई देगी। माता-पिता का आशीर्वाद और भाई-बहनों का सहयोग आपके अधूरे कार्यों को पूरा कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शब्दजाल - 8310

शब्दजाल में दस सफल अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान,आमिर खान, सलमान, अजय देवगन, रितिक रोशन

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल - 8309 का हल

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	इू	ए	श	व्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7254

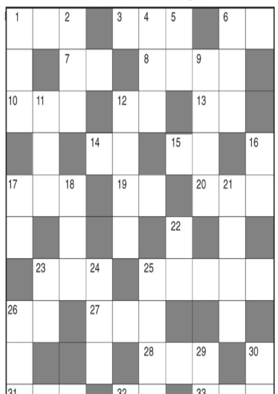

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को कहती हैं मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. मिलिंद, विक्रम मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेंद्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7253

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

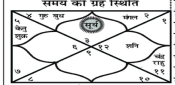

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	08.30 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.42 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.53 बजे से
गुरू	कर्क में	वृश्चिक	15.07 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.23 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.48 बजे से
		मेष	00.18 बजे से
		वृष	01.58 बजे से
		मिथुन	03.57 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 186 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 13.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 15.13 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 16.40 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.31 बजे तदनन्तर गर 01.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872761
जूलियन दिन 2461226.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम
तारीख 19

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धन, कुटुंब और धर्म

किसी आश्रम में अनेक छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन कुछ छात्रों ने अपने गुरु से प्रश्न किया, 'गुरुजी, धन, कुटुंब और धर्म में कौन सच्चा सहायक होता है?' गुरु ने प्रश्न का सीधा उत्तर न देते हुए एक कथा सुनाई - एक व्यक्ति के तीन मित्र थे। जिनमें एक सबसे प्रिय था, जिसके साथ वह अधिक समय बिताता था। कहीं भी जाना होता तो उसी के साथ जाता। दूसरे मित्र से उसकी कम घनिष्ठता थी और तीसरा मित्र बिल्कुल उपेक्षित था। वह उससे बहुत कम मिलता था। एक बार वह व्यक्ति किसी मुसीबत में फंस गया जिसके कारण उसे राज दरबार में बुलाया गया। वह थोड़ा घबरा गया। उसे अकेले जाने में डर लगा, इसलिए उसने अपने किसी मित्र को साथ ले जाने की सोची। वह अपने सबसे प्रिय मित्र के पास गया, लेकिन उसने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। फिर वह दूसरे मित्र के पास गया। उसने व्यस्तता के कारण साथ जाने से इनकार कर दिया। हां, यह जरूर कहा कि और कोई मदद हो तो कर दूंगा। वह व्यक्ति निराश हो गया। फिर वह तीसरे मित्र के पास पहुंचा। तीसरे मित्र ने उसकी पूरी बात सुनी और सहायता करने का वचन देकर उसके साथ राजदरबार गया। राजदरबार में उसने अपने मित्र का पक्ष रखा और उसे संकट से बचाकर ले आया। कथा पूरी होने पर गुरुजी ने अपने शिष्यों को तीनों मित्रों के प्रतीकात्मक अर्थ बताए, 'पहला मित्र धन है जिसे परमप्रिय समझा जाता है लेकिन वह मुत्यु के बाद घर से बाहर एक कदम नहीं निकालता। दूसरा मित्र कुटुंब है जो यथासंभव सहायता तो करता है लेकिन उसका सहयोग भी शरीर रहने तक ही रहता है। धर्म ही वह मित्र है जो इस लोक और परलोक दोनों में साथ देता है। हालांकि हम इसके प्रति उपेक्षा का भाव रखते हैं लेकिन यह चिरस्थायी सुख- शांति प्रदान करता है।' सभी शिष्यों को अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया।

सूडोकु नवताल- 7563

★★★✯☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7562 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 8778

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8777 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सिंगोला - कारंजा पुल के निर्माण में गुणवत्ता की अंनदेखी

पहले एप्रोच रोड धंसी, फिर दरारें आईं, अब पहली बारिश में पड़े गड्ढे

बालाघाट एक्सप्रेस | बालाघाट, मंगलवार 16 जून 2026 | पद्मेश न्यूज लांजी | www.balaghatexpress.in | 8

धंसती सड़क ने फिर बढ़ाई चिंता

दहेगांव - सिंगोला पुल की एप्रोच रोड़ पर उभरी गहरी लंबी दरारें- गंभीर दुर्घटना की आशंका

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज करने और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र विकास योजना (एलडब्ल्यूई) के अंतर्गत लांजी-आमगांव मार्ग पर ग्राम कारंजा में छोटी बाघ नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया गया था। रायपुर (छत्तीसगढ़) की सुंदरानी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा निर्मित इस परियोजना को क्षेत्र की जीवनरेखा के रूप में प्रचारित किया गया था, लेकिन निर्माण के दो वर्षों बाद ही इसकी पहुंच मार्ग सड़क की स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है। बरसात शुरू होने से पहले ही पुल के दोनों ओर की सड़क में दरारें और धंसाव दिखाई देने लगा है, जिससे राहगीरों में दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या पहली बार सामने नहीं आई है। पिछले वर्ष भी मानसून के दौरान पुल की पहुंच मार्ग सड़क का एक हिस्सा धंस गया था। सड़क क्षतिग्रस्त होने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी और आवागमन प्रभावित हुआ था। उस समय लोक निर्माण विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण एजेंसी को मरम्मत के निर्देश दिए थे, जिसके बाद आनन-फानन में सड़क की मरम्मत और किनारों पर सुरक्षा कार्य कराए गए थे। लेकिन एक वर्ष भी नहीं बीता कि अब सड़क के दूसरे हिस्से में लंबी और गहरी दरारें उभर आई हैं। एप्रोच सड़क पर उभर रही ये दरारें केवल सड़क में नहीं हैं, बल्कि उस निगरानी व्यवस्था में भी दिखाई दे रही हैं, जो खतरे के संकेत सामने आने के बाद भी अक्सर कार्रवाई से पहले इंतजार करना ज्यादा उचित समझती है।

पिछले साल का सबक भी भूल गए जिम्मेदार

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पिछले वर्ष हुए धंसाव के बाद पूरी पहुंच मार्ग सड़क का तकनीकी परीक्षण कराया गया होता और स्थायी समाधान निकाला गया होता, तो आज दोबारा यह स्थिति निर्मित नहीं होती। लेकिन मरम्मत केवल प्रभावित हिस्से तक सीमित रही और व्यापक जांच की जरूरत महसूस नहीं की गई। परिणामस्वरूप अब सड़क के दूसरे छोर पर भी धंसाव और दरारों के संकेत दिखाई देने लगे हैं। मौके पर देखने से स्पष्ट होता है कि पुल की संरचना सुरक्षित है, लेकिन उससे जुड़ी पहुंच मार्ग सड़क के किनारे कई स्थानों पर फटने लगे हैं। सड़क के बाहरी हिस्से में लंबी दरारें दिखाई दे रही हैं, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि बरसात के दौरान पानी का दबाव बढ़ने पर धंसाव और तेज हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पुल और सड़क के जोड़ पर बढ़ रही परेशानी, वाहन खा रहे हिचकोले

एक अन्य गंभीर समस्या पुल और सड़क के मिलान बिंदु पर दिखाई दे रही है। यहां सड़क का स्तर नीचे बैठने लगा है, जिसके कारण वाहन पुल पर चढ़ते और उतरते समय झटके खाने को मजबूर हैं। भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान यह समस्या और अधिक महसूस होती है। राहगीरों का कहना है कि यह केवल असुविधा का विषय नहीं, बल्कि भविष्य में बड़े नुकसान का संकेत भी हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित दिखाई देती है। यदि समय-समय पर निरीक्षण किया जाता और निर्माण एजेंसी को रखरखाव के लिए जवाबदेह बनाया जाता, तो सड़क की यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों का कहना है कि समस्या सामने आने के बाद कार्रवाई करना आसान है, लेकिन समय रहते उसे रोकना ही असली जिम्मेदारी है।

गायब शिलालेख के पत्थर ने बढ़ाई रहस्य की परत

पुल के एक छोर पर निर्मित शिलालेख भी अब चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस पट्टिका पर निर्माण लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य अवधि और विभागीय जानकारी अंकित होनी चाहिए थी, वह लगाया ही नहीं गया। अब वहां से कोई जानकारी पढ़ी नहीं जा सकती। राहगीरों का कहना है कि यदि शिलालेख लगाया गया था तो उसकी जानकारी कहां गायब हो गई, और यदि नहीं लगाया गया था तो आखिर क्यों नहीं लगाया गया? ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि लोक निर्माण विभाग तत्काल तकनीकी दल भेजकर पहुंच मार्ग सड़क की जांच कराए, धंसाव और दरारों के कारणों का पता लगाए तथा निर्माण एजेंसी से स्थायी और गुणवत्तापूर्ण सुधार कार्य कराए। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष की घटना के बाद भी यदि जिम्मेदार सबक नहीं लेते हैं तो भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना की जवाबदेही तय होना चाहिए।

इनका कहना है

निर्माण एजेंसी को पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है, अभी पुल और एप्रोच सड़क की देखरेख भी कंस्ट्रक्शन कंपनी के ही जिम्मे है, आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है, शीघ्र ही मरम्मत के लिये निर्देशित किया जाएगा।

अर्जुन सनोडिया
एसडीओ, सेतु संभाग पीडब्ल्यूडी

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला मुख्यालय में 3 जुलाई को कलेक्टर मृणाल मीना निर्माण विभागों को बारिश के दौरान पुल.पुलियों की निगरानी, नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता को लेकर सख्त हिदायतें दे रहे थे, लेकिन विडंबना देखिए कि उसी दिन, उन निर्देशों से कुछ घंटे पहले ही लांजी-आमगांव मार्ग स्थित कारंजा पुलिया के समीप सड़क धंसने और गहरे गड्ढे बनने की घटना सामने आ चुकी थी। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार अधिकारी कलेक्टर के सामने अपनी निष्क्रियता का कौन-सा तर्क रखेंगे और उन ग्रामीणों को क्या जवाब देंगे, जो रोज इसी रास्ते से जान जोखिम में डालकर गुजर रहे हैं। यह घटनाक्रम किसी एक दिन की अनदेखी का परिणाम नहीं है। लगभग पंद्रह दिन पहले इसी मार्ग पर इसी निर्माण एजेंसी द्वारा बनाए गए सिंगोला पुल की एप्रोच सड़क में दरारें, धंसाव और पुल.सड़क जोड़ पर आई खामियों को मीडिया ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उस समय संकेत साफ थे कि यदि पूरे मार्ग का तकनीकी परीक्षण नहीं कराया गया तो अगली बारिश में स्थिति और बिगड़ेगी। लेकिन जिम्मेदार अमले ने खतरे को दस्तावेज़ों में दबाए रखना ज्यादा आसान समझा। नतीजा यह हुआ कि पहली तेज बारिश ने विभागीय दावों की पूरी परत उधेड़ दी। वहीं एप्रोच रोड पर गड्ढा उभर आने से नाराज क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पूरे मार्ग का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट कराया जाए, निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय की जाए और निगरानी में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। आखिर करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रास्ता देना है, न कि हर मानसून में नए खतरे गिनाना।

पहले नुकसान होने दो, फिर मरम्मत का प्रस्ताव बनाओ.

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि समाचार प्रकाशित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौके तक नहीं पहुंचे। ऐसा लगा मानो निरीक्षण की जरूरत तब महसूस होगी, जब कोई वाहन गड्ढे में समा जाएगा या कोई बड़ी दुर्घटना प्रशासन को जगाने का काम करेगी। विभाग की कार्यशैली फिर उसी पुरानी सोच पर टिक गई दिखाई देती है-पहले नुकसान होने दोए फिर मरम्मत का प्रस्ताव बनाओ। कारंजा पुलिया कोई ग्रामीण पगडंडी नहीं, बल्कि लांजी-आमगांव का प्रमुख संपर्क मार्ग है। रोजाना सैकड़ों वाहन यहां से गुजरते हैं। ऐसे मार्ग पर पहली ही बारिश में सड़क का बैठ जाना यह बताने के लिए काफी है कि निर्माण के समय गुणवत्ता नियंत्रण किस स्तर पर किया गया होगा। यदि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क एक मानसून का दबाव नहीं झेल पा रही, तो केवल गड्ढे भर देने से वास्तविकता नहीं बदलेगी।

एप्रोच रोड का दरकना निर्माण गुणवत्ता की निरंतर विफलता का संकेत

निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली भी अब कठघरे के केंद्र में है। जिस कंपनी को करोड़ों रुपये की परियोजना सौंपी गईए उसी के निर्माण कार्य बार.बार मरम्मत की मांग कर रहे हैं। पहले एक पुल की एप्रोच सड़क धंसी, फिर दूसरे हिस्से में दरारें उभरीं और अब कारंजा पुलिया के समीप सड़क बैठने लगी। यह सिलसिला किसी संयोग का नहीं, बल्कि निर्माण गुणवत्ता की निरंतर विफलता का संकेत देता है। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्यों में लापरवाही करने वाले ठेकेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए और पुल-पुलियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ये निर्देश फ इलों तक सीमित रहते हैं या वास्तव में मौके पर उतरकर जिम्मेदारी तय की जाती है। क्योंकि यदि चेतावनी, समाचार और खामियां-तीनों के बाद भी विभाग की सक्रियता दिखाई नहीं देती, तो यह केवल एक सड़क का मामला नहीं, बल्कि निगरानी व्यवस्था की कार्य संस्कृति का आईना है।

इनका कहना है

हाल ही में निर्माण एजेंसी द्वारा दूसरे पुल की एप्रोच रोड में सुधार कार्य किया गया था परंतु 15 दिनों में ही दूसरे पुल की सड़क पर गड्ढा होना चिंताजनक है। पुल और एप्रोच सड़क की देखरेख की जिम्मेदारी फिलहाल निर्माण कंपनी की ही है। शीघ्र ही संबंधित एजेंसी को आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

अर्जुन सनोडिया, एसडीओ
सेतु संभाग, लोक निर्माण विभाग

कारंजा-परसोड़ी सड़क बदहाल- विद्यार्थी-ग्रामीणों को भारी परेशानी, दुर्घटना की आशंका बढ़ी

पद्मेश न्यूज। लांजी। बाला साहेब देवरस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कारंजा के सामने से गुजरने वाली कारंजा-परसोड़ी सड़क इन दिनों पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लगातार हो रही बारिश और ग्राम पंचायत द्वारा हाल में की गई खुदाई ने सड़क की स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पहले से ही खस्ताहाल थी, लेकिन ग्राम पंचायत कारंजा द्वारा स्कूल से मात्र 100 मीटर की दूरी तक जेसीबी से कच्ची नाली खोदकर निकाली गई मिट्टी को सड़क किनारे डाल दिया गया। इस मिट्टी के सड़क पर फैल जाने और लगातार बारिश के कारण बड़े-बड़े गड्ढों में पानी व कीचड़ भर गया है, जिससे मार्ग अत्यंत खतरनाक हो गया है। विद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों, राहगीरों तथा स्थानीय वार्डवासियों को रोजाना इस सड़क से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में इसी मार्ग पर एक दुर्घटना भी हो चुकी है। सड़क दो गांवों कारंजा एवं परसोड़ी को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है तथा दो ग्राम पंचायतों की सीमा में आती है, लेकिन लंबे समय से इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया है। रूपेश सोनवाने ने बताया, फ्रहर दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बच्चों को स्कूल जाने में भारी दिक्कत हो रही है। हमने कई बार ग्राम पंचायत, सीएम हेल्पलाइन और क्षेत्रीय विधायक के समक्ष सड़क निर्माण की मांग रखी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत या निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वार्डवासी विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

महावीर इंटरनेशनल ने स्थापना दिवस पर आयोजित किया सेवा पखवाड़ा

स्कूलों में आयोजित किया सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा

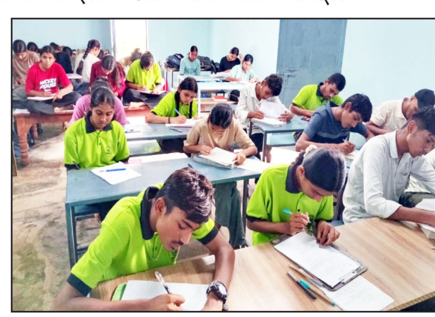

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन रीजन-9 केंद्र द्वारा 4 जुलाई को संस्था का 52वाँ स्थापना दिवस सेवा, संस्कार और जनजागरण के विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। संस्था के मूल मंत्र सबको प्यार, सबकी सेवा ङ्क जियो और जीने दो को साकार करते हुए 1 जुलाई से 14 जुलाई 2026 तक महावीर इंटरनेशनल सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। स्थापना दिवस के अवसर पर स्कूलों एवं कोचिंग संस्थानों में जागरूकता अभियान, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता तथा विद्यार्थियों को महावीर इंटरनेशनल की 52 वर्षों की सेवा यात्रा और सामाजिक गतिविधियों से परिचित कराने के कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही परिवार संस्कार, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़े के दौरान गांव-गांव भ्रमण कर महावीर संदेश अभियान, नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर, शकुन की छांव अभियान के अंतर्गत जरूरतमंदों को छतरियों का वितरण, रक्तदान शिविर, पौधारोपण, कपड़े की थैली मेरी सहेली अभियान, योग शिविर, नि:शुल्क कोचिंग एवं करियर मार्गदर्शन, महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में भानेगांव स्थित अल्फा पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए सेवा एवं उच्च शिक्षा विषयक सेमिनार आयोजित किया गया। वहीं पी-1 एजुकेशन एकेडमी में योग प्रशिक्षण एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन हुआ। विवेक मंदिर स्कूल में भी विद्यार्थियों के साथ स्थापना दिवस मनाते हुए उन्हें सेवा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान झनकार किरनापुरे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिए लक्ष्य पर एकाग्रता, नियमित अध्ययन, योग और अच्छे संस्कार अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से बुरी आदतों से दूर रहकर परिवार एवं शिक्षकों का सम्मान करने और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर गुलाबचंद खोबरागड़े, लक्की मेहरकर, इंद्रकुमार भूते राजा, प्रमोद नखाते, धनेश दुरूगकर, अरशद खान, नंदकिशोर बिलावर, आंचल कालबेले, दादू नकतोडे, प्रदीप अग्रवाल, फणींद्र दुरुगकर सहित महावीर इंटरनेशनल लांजी केंद्र के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

भरतटोला में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों को स्कूल बैग और बिस्कुट वितरित

पद्मेश न्यूज। लांजी। समाजसेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सहयोग मल्टी स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी, शाखा लांजी के उड़ान समूह द्वारा ग्राम कारंजा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भरतटोला में अध्ययनरत नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों को स्कूल बैग और बिस्कुट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना था। स्कूल बैग और बिस्कुट प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। बच्चों की मुस्कान देखकर उपस्थित सभी लोग भावुक हो गए। अतिथियों ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे सामाजिक कार्य भविष्य में भी निरंतर चलते रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहयोग हॉस्पिटल की एमडी श्रीमती शीतल जयेशचंद्र रमादे, पूजा सोनटक्के, राम चौहान, मनीष शेन्डे, ओमेश्वरी हरिनखेड़े, सुनील हरिनखेड़े, अविनाश फुंडे, प्रफुल ऊके, शैलेन्द्र वानखेड़े, विद्यालय के शिक्षक रामदास लिल्हारे, ग्राम के उपसरपंच निलेश शिवनकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने सहयोग मल्टी स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी, शाखा लांजी एवं उड़ान समूह के इस सराहनीय सामाजिक कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी प्रयासों को जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

अब बागियों पर कांग्रेस सख्त पार्टी लाइन से हटने वाले नेताओं की बनेगी सूची

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी के भीतर अनुशासनहीनता पर सख्ती बरतने का फैसला किया है। अब पार्टी लाइन से हटकर बयान देने वाले और सोशल मीडिया पर नेतृत्व या संगठन के खिलाफ टिप्पणी करने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि वरिष्ठ नेताओं की बैठकों में लगातार यह मुद्दा उठता रहा है कि कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता सार्वजनिक मंचों तथा सोशल मीडिया पर पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग बयान देकर संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसे रोकने के लिए अब अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

संगठन की ओर से जिला अध्यक्षों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि पार्टी को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर पार्टी की नीतियों, नेतृत्व और फैसलों के खिलाफ पोस्ट कर रहे हैं। इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निर्देशों के अनुसार जिला अध्यक्ष पहले ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं की पहचान करेंगे। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और सुधार का अवसर दिया जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में मानसून का जोर, कई जिलों में झमाझम बारिश,नदी-नाले उफान पर, घरों तक पहुंचा बाढ़ का पानी, उफनती नदी में पलटा ट्रैक्टर; पुल डूबने से सडक़ें बंद

आष्टा में डूबने से दो बच्चों की मौत; हरदा में कई गांवों का संपर्क टूटा

भोपाल। मप्र में मूसलाधार बारिश ने कई जिलों में तबाही जैसे हालात पैदा कर दिए। कहीं गांवों में बाढ़ का पानी घरों और स्कूलों में घुस गया, कहीं तेज बहाव में ट्रैक्टर पलट गया, तो कहीं पुलों के ऊपर से नदियां बहने लगीं। कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। कई इलाकों में घरों और खेतों में पानी भर गया है, जबकि कई सडक़ों और पुलों पर पानी बहने से यातायात प्रभावित हुआ है। हरदा में तेज बारिश के कारण कई गांवों का संपर्क कट गया है। ग्राम मांदला के पास कालीमाचक नदी का पानी पुल से करीब तीन फीट ऊपर बह रहा है, जिससे नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे बंद हो गया है। आष्टा क्षेत्र के बापचा दोनिया गांव में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन दोनों बच्चों को आष्टा के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

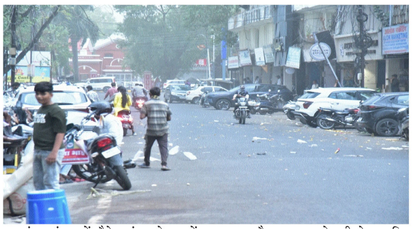

मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर में ढाई इंच से ज्यादा बारिश हुई। मंडला में 2.2 इंच, खंडवा में पौने 2 इंच, भोपाल में डेढ़ इंच, दतिया, नौगांव और बालाघाट में सवा इंच, रतलाम, बैतूल और धार में 1 इंच, खरगोन में आधा इंच से ज्यादा, पचमढ़ी और दमोह में आधा इंच, जबकि नर्मदापुरम, जबलपुर और उमरिया में पौन इंच बारिश हुई।

खंडवा में नाले में बाढ़, आवागमन पूरी तरह बंद

खंडवा में पिछले कई घंटों से झमाझम बारिश जारी है। रेड अलर्ट के बीच यहां चार इंच तक बारिश होने का अनुमान है। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते खंडवा जिले के किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरबड़ी स्थित नाले में बाढ़ आ गई। उफनते नाले के कारण खिरकिया मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। इससे सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नाले को पार करने की कोशिश न करें और सुरक्षित स्थानों पर ही रुकें। लगातार बारिश के कारण क्षेत्र के कई निचले इलाकों में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन हालात पर लगातार नजर रखे हुए है।

आष्टा में पार्वती, पपनास और नेवज नदी का जलस्तर बढ़ा

आष्टा ब्लॉक में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। पार्वती, पपनास और नेवज नदी का जलस्तर बढ़ गया है। खाचरोद, मेहतवाड़ा, मैना, कोठरी, भंवरा, बागैर, सिंगारचोरी, हराजखेड़ी, ढकनी और मुगली समेत कई गांवों में घरों में पानी घुस गया है। लगातार बारिश से खेत भी तालाब जैसे नजर आने लगे हैं। वहीं, ग्राम पंचायत बड़घाटी-रामापुरा में बाढ़ का पानी खेतों तक पहुंचने से किसानों की सोयाबीन फसल को नुकसान हुआ है। सीहोर के अमलाहा-गोलूखेड़ी मार्ग पर अजनाल नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। बता दें, इंदौर-उज्जैन समेत प्रदेश के 19 जिलों में शनिवार को अति भारी या भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी-पश्चिमी निमाड़ बेहाल

ओंकारेश्वर पूर्वी और पश्चिमी निमाड़ क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार वर्षा के कारण छोटे-बड़े नदी-नाले उफान पर हैं, कई पुल-पुलियों के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजर रहा है। गांवों की गलियां नदी जैसी दिखाई दे रही हैं, जबकि शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को जोडऩे वाले अनेक मार्ग जलमग्न होने से आवागमन प्रभावित हो गया है। ओंकारेश्वर सहित आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर लोग जान जोखिम में डालकर पानी से लबालब पुल-पुलियों को पार करते नजर आए। प्रशासन और स्थानीय लोगों द्वारा लगातार समझाइश देने के बावजूद कई लोग तेज बहाव वाले रास्तों से गुजरने का प्रयास करते रहे, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ओंकारेश्वर नगर में बारिश का पानी नालियों के माध्यम से घाटों की ओर इस वेग से बहता दिखाई दिया, मानो प्राकृतिक झरने फूट पड़े हों। नर्मदा तट पर भी जलस्तर बढऩे से प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और नदी किनारे अनावश्यक रूप से नहीं जाने की अपील की है।

राहुल गांधी धृतराष्ट्र, जीतू पटवारी दुर्योधन-कांग्रेस नेता यादव ने पार्टी छोड़ी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इंदौर में एक प्रेसवार्ता में अपने इस्तीफे की घोषणा कर यादवड्डउ ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोलकर कहा कि वे इस पद के लायक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी ने पार्टी को कमजोर किया है और प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक पद पैसे के बदले मिल रहे थे।

यादव ने बताया कि उन्हें हाल ही में मौन सत्याग्रह के दौरान मीडिया डिबेट में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा गया था। पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव पर 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट घोटाले के आरोपों पर चुप्पी साधने का निर्देश दिया था। राकेश सिंह यादव ने दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि पटवारी ने ऐसी किसी भी बहस पर रोक लगा दी थी, और इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री यादव पर उनके आरोप झूठे थे क्योंकि उनके पास कोई सबूत या दस्तावेज नहीं थे।

कांग्रेस के पूर्व नेता ने पटवारी पर राज्य इकाई का नेतृत्व करने की क्षमता न होने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर भी निशाना साधकर कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश इकाई के कामकाज को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई पत्र लिखे थे, लेकिन कभी कोई जवाब नहीं मिला। नाराज नेता यादव ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को इस बारे में पता है लेकिन वह दखल नहीं देते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह आंखों पर पट्टी बांधे धृतराष्ट्र की तरह हैं और उन्होंने जीतू पटवारी जैसे दुर्योधन पैदा किए हैं।

अपने इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा कर दी है। लेकिन जब यादव से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बारे में पूछने पर यादव ने कहा कि फिलहाल उनकी किसी भी पार्टी से कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन अगर उन्हें कोई ऐसा मौका मिलता है, तब मैं उस पर विचार करुंगा।

13 साल में मंत्रियों ने नहीं दिया अपनी संपत्ति का सालाना हिसाब

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके परिवार की कथित संपत्ति को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच एक पुराना सवाल फिर चर्चा में है- क्या मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्री हर साल अपनी संपत्ति का सार्वजनिक ब्यौरा दें? कभी यह प्रदेश की स्थापित राजनीतिक परंपरा थी, लेकिन पिछले एक दशक में यह लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई। दिलचस्प यह है कि जहां प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए हर वर्ष अपनी अचल संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य है, वहीं जनप्रतिनिधियों के लिए ऐसी कोई बाध्यता नहीं है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा अपनी संपत्ति का वार्षिक विवरण सार्वजनिक करने की परंपरा की शुरुआत सुंदरलाल पटवा सरकार के दौर में हुई थी। इसके बाद कांग्रेस सरकारों और फिर भाजपा सरकार के शुरुआती वर्षों तक यह सिलसिला जारी रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मुख्यमंत्री बनने के बाद कई वर्षों तक अपनी और मंत्रिपरिषद की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया। वर्ष 2011, 2012 और 2013 में मुख्यमंत्री सहित अधिकांश मंत्रियों ने अपनी अचल संपत्ति का विवरण विधानसभा के माध्यम से सार्वजनिक किया था। लेकिन 2013 के बाद यह परंपरा धीरे-धीरे समाप्त हो गई।

कर्मचारियों के लिए नियम, जनप्रतिनिधियों के लिए नहीं

प्रदेश में प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी के सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हर वर्ष जनवरी माह में अपनी अचल संपत्ति का विस्तृत विवरण शासन को देना अनिवार्य है। इस विवरण में यह बताना होता है कि संपत्ति कब और कैसे प्राप्त हुई। खरीद का स्रोत क्या था। विरासत, उपहार या स्वयं की आय से खरीदी गई। खरीद के समय कीमत और वर्तमान अनुमानित मूल्य कितना है। संपत्ति से होने वाली वार्षिक आय कितनी है। जानकारी नहीं देने पर विभागीय कार्रवाई का भी प्रावधान है। इसके विपरीत विधायक और मंत्रियों के लिए ऐसा कोई वार्षिक कानूनी प्रावधान नहीं है।

विधानसभा का संकल्प भी लागू नहीं हुआ

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. गोविंद सिंह का कहना है कि जनता के प्रति जवाबदेह जनप्रतिनिधियों को भी हर वर्ष अपनी संपत्ति का सार्वजनिक विवरण देना चाहिए। उनका कहना है कि चुनाव जीतने के बाद कई जनप्रतिनिधियों की संपत्ति में बड़ा इजाफा दिखाई देता है। यदि संपत्ति वैध तरीके से अर्जित की गई है तो उसका वार्षिक लेखा-जोखा सार्वजनिक करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। डॉ. सिंह के अनुसार कमलनाथ सरकार के दौरान विधानसभा में इस संबंध में संकल्प भी पारित हुआ था, लेकिन आज तक उसे व्यवहार में लागू नहीं किया गया।

2013 तक हर साल जारी होता था ब्योरा

विधानसभा के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2011, 2012 और 2013 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित मंत्रिपरिषद के अधिकांश सदस्यों ने अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया था। इसके बाद यह संख्या लगातार घटती गई। जानकार कहते हैं कि ऐसा नहीं हैं कि मध्य प्रदेश विधानसभा में पहले कभी मंत्रियों और मुख्यमंत्री द्वारा अपनी संपत्ति का लेखा जोखा न दिया जाता रहा हो. 1990 में सुंदरलाल पटवा सरकार से तो यह सिलसिला लगातार चलता रहा। इसके बाद आई कांग्रेस की सरकार और फिर 2003 तक यह सिलसिला लगातार जारी रहा। साल 2008 में मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चैहान ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा रखा था, लेकिन 2013 के बाद यह सिलसिल धीरे-धीरे खत्म हो गया। साल 2011 में मध्य प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान, मंत्री जगदीश देवड़ा, अजय विश्नोई, अर्चना चिटनीस, गौरीशंकर बिसेन, उमाशंकर गुप्ता, रामकृष्ण कुसमरिया, पारस जैन, नारायण सिंह कुशवाहा, कन्हैयालाल अग्रवाल, हरिशंकर खटीक, देव सिंह सैयाम, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, जय सिंह मरावी, नाना भाऊ मोहोड और मनोहर ऊंटवाल सहित 16 मंत्रियों ने अपनी संपत्ति को लेखा-जोखा पेश किया। साल 2012 में मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान, मंत्री बाबूलाल गौर, वित्त मंत्री राघव जी, सरताज सिंह, जगदीश देवड़ा, गौरीशंकर बिसेन, तुकोजीराव पवार, करण सिंह वर्मा, उमाशंकर गुप्ता, रामकृष्ण कुसमरिया, नारायण सिंह कुशवाहा, कन्हैयालाल अग्रवाल, हरिशंकर खटीक, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, महेन्द्र हार्डिया, नाना भाऊ मोहोड सहित 16 मंत्रियों ने अपनी संपत्ति की जानकारी दी।साल 2013 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री बाबूलाल गौर, कैलाश विजयवर्गीय, डॉ. नरोत्तम मिश्रा, लक्ष्मीकांत शर्मा, नागेन्द्र सिंह, जगनाथ सिंह, गौरीशंकर बिसेन, पारस जैन, राजेन्द्र शुक्ला, जयंत मलैया, जगदीश देवड़ा, केएल अग्रवाल, हरिशंकर खटीक, महेन्द्र हार्डिया, नाना भाऊ मोहोड और मनोहर ऊंटवाल सहित 17 मंत्रियों ने अपनी जानकारी पेश की।

राम को काल्पनिक मानने वाले अब कर रहे यात्रा का ढोंग

भोपाल । पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा उज्जैन से अयोध्या तक निकाली जा रही पदयात्रा को लेकर अब संतों और धर्मगुरुओं ने मोर्चा खोल दिया है। इस यात्रा को लेकर धर्मगुरु अनिलानंद महाराज ने दिग्विजय और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस पदयात्रा को राजनीति से प्रेरित बताते हुए इसे महज एक 'ढोंग' करार दिया है। सरकार

धर्मगुरु अनिलानंद महाराज ने कांग्रेस के पुराने रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन लोगों ने एक समय कोर्ट में भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए थे और उन्हें काल्पनिक बताया था, आज वही लोग राजनीतिक लाभ के लिए यात्राएं निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा- इन लोगों ने उस समय भी भगवान राम को काल्पनिक बताया था। जब आप मूल रूप से भगवान राम को काल्पनिक मानते ही हो, तो फिर आज ये यात्राएं क्यों निकाली जा रही हैं? इस तरह यात्रा निकालने का ढोंग रचना पूरी तरह से गलत है।

चंदा नहीं, चढ़ावा चोरी हुआ है

दिग्विजय सिंह द्वारा राम मंदिर निर्माण और चंदे को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए अनिलानंद महाराज ने कहा कि मंदिर के नाम पर कोई चंदा चोरी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा- रसीदें आज भी सुरक्षित- जिन भी रामभक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए चंदा (दान) दिया था, उनकी रसीदें आज भी पूरी प्रामाणिकता के साथ उपलब्ध हैं। महाराज ने साफ किया कि मामला चंदा चोरी का नहीं, बल्कि 'चढ़ावा चोरी' का है। उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी के इस मामले में सरकार बेहद मुस्तैदी से काम कर रही है और इस पूरे मामले की जांच के लिए बकायदा एसआईटी का गठन भी कर दिया गया है। जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं।

लखपति दीदी पहल को झटका, आय घटकर हजारों में आई

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित लखपति दीदी पहल को करारा झटका लगने का दावा किया जा रहा है। दरअसल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि बड़ी संख्या में महिलाओं की वार्षिक आय में गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब सवा लाख महिलाओं की आय एक लाख रुपये के स्तर से घटकर हजारों रुपये तक सीमित हो गई है, जबकि हजारों महिलाओं की वार्षिक आय 25 हजार रुपये से भी कम रह गई है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश की मोहन यादव सरकार पर निशाना साधा है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित इस पहल का उद्देश्य स्व-सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये या उससे अधिक की स्थायी घरेलू आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है। योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार, कौशल विकास और विपणन सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई जिलों में महिलाओं की आय प्रभावित होने के पीछे भुगतान में देरी और उत्पादों के लिए पर्याप्त बाजार नहीं मिलना प्रमुख कारण हैं। हरदा, राजपुर, अलीराजपुर सहित प्रदेश के 46 जिलों में स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई सामग्री, जैसे स्कूल यूनिफॉर्म, का करोड़ों रुपये का भुगतान लंबित बताया गया है। इससे समूहों की आर्थिक गतिविधियों और महिलाओं की आय पर प्रतिकूल असर पड़ा है। योजना से जुड़ी महिलाओं ने यह भी शिकायत की है कि उनके उत्पादों को उचित बाजार और उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही सरकारी हीला-हवाली और और लेट-लतीफी को महिलाओं ने आय घटने और योजना खटाई में पड़ने का कारण बताया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में विफल रहने का आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि सरकार ने लखपति दीदी का सपना दिखाया, लेकिन जमीनी स्थिति इससे अलग दिखाई दे रही है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में महिलाओं की आय घटकर हजारों रुपये रह गई है और कई महिलाओं को पहले की तुलना में कम काम मिल रहा है।

एकजुटता का संदेश, टिकट के लिए भारी होड़

दतिया उपचुनावऱ्गुटबाजी थामने के लिए एक मंच पर आए दिग्विजय और पटवारी, कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर किया महामंथन

भोपाल। दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले आगामी उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस पार्टी के भीतर मची अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी को थामने के साथ-साथ चुनावी रणनीति को धार देने के लिए शनिवार को दतिया के मोटल होटल में कांग्रेस का एक बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी और खास बात यह रही कि पिछले दिनों हुई तीखी बयानबाजी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दतिया में एक-साथ पहुंचे। दोनों दिग्गजों का यह साथ आना कार्यकर्ताओं में एकजुटता का संदेश देने की बड़ी कोशिश माना जा रहा है। दोनों नेता अपने निर्धारित समय से करीब साढ़े तीन घंटे की देरी से कार्यक्रम स्थल पहुंचे, लेकिन उनके आगमन की सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन स्थल पर भारी संख्या में जुट गए। जैसे ही दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी आयोजन स्थल पर पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया और पूरे माहौल में उत्साह छा गया। इस दौरान दोनों ही बड़े नेता मंच के बजाय कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर ही कार्यक्रम में शामिल हुए। इस सम्मेलन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से आए कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। फिलहाल दतिया सीट पर टिकट के दावेदारों में भारी होड़ मची हुई है। दावेदारों में पूर्व विधायक घनश्याम सिंह और पूर्व राज्य मंत्री अवधेश नायक का नाम प्रमुखता से आगे चल रहा है, तो वहीं राजेंद्र भारती के परिवार से भी टिकट की तगड़ी मांग की जा रही है। इनके अलावा जिलाध्यक्ष अशोक दांगी बगदा भी रेस में शामिल हैं। अब देखना होगा कि दिग्गजों की मौजूदगी में होने वाला यह सम्मेलन कांग्रेस की अंदरूनी कलह को शांत करने में कितना कामयाब होता है।

जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी बने रिएट के चेयरमैन

-रेरा के आदेश और फैसलों के खिलाफ अपील सुनती है रिएट, जस्टिस वीपीएस चौहान का लेंगे स्थान

भोपाल। राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश भू-संपदा अपील अधिकरण (रिएट) का चेयरमैन हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी को नियुक्त किया है। द्विवेदी का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने से पांच साल या 67 साल की उम्र तक रहेगा। इन्हें चेयरमैन के रूप में दोबारा नियुक्ति की पात्रता नहीं होगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है। इसके पहले मध्य प्रदेश भू-संपदा अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी.पी.एस. चौहान रहे हैं। मध्य प्रदेश भू-संपदा अपीलीय अधिकरण, रेरा अधिनियम के तहत गठित एक विशिष्ट अपीलीय संस्था है। यह रेरा प्राधिकरण या न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा पारित फैसलों और आदेशों के खिलाफ अपील सुनती है। इसका मुख्य कार्यालय भोपाल में स्थित है। यह अधिकरण मध्य प्रदेश में रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट्स, बिल्डरों और खरीदारों के बीच के विवादों की अपीलों का निपटारा करता है। रेरा प्राधिकरण के आदेश की तारीख से 60 दिनों के भीतर अधिकरण में अपील करनी होती है। अधिकरण द्वारा सुनवाई के बाद अंतिम फैसला दिया जाता है। यदि कोई प्रभावित व्यक्ति अधिकरण के निर्णय से भी सहमत नहीं हैं, तो मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अपील दायर कर सकते हैं।

नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में एनएसयूआई का पैदल मार्च

भोपाल। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के आह्वान पर सैकड़ो छात्रों ने भोपाल के जिंसी चौराहे से लाल परेड ग्राउंड तक पैदल मार्च किया छात्र संगठन के नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह से छात्र विरोधी हो गई है, पेपर लीक हो जाते हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई के आह्वान पर छात्रों की गूंज अभियान चलाया जा रहा है, इसी अभियान के तहत छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते एनएसयूआई का आंदोलन जारी रहेगा। जिंसी चौराहे से शुरू हुए पैदल मार्च को शहर के प्रमुख मार्गों से निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय सिंह के नाम ज्ञापन एसीपी बिट्टू शर्मा को सौंपकर कार्रवाई की मांग की। संगठन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए नैतिक जिम्मेदारी के आधार पर उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्र संगठन लगातार पैदल मार्च, मशाल जुलूस और विरोध-प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। एनएसयूआई की प्रमुख मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, परीक्षा में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग कर नई, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लागू की जाए।

बुरे फंसे जीतू 5 करोड का मानहानि का नोटिस

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी उज्जैन के वीर न्यास को 1 रूपए में जमीन देने के आरोप में बुरे फंस गए है। न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने उन्हें पांच करोड का मानहानि का नोटिस भेजा है साथ ही कहा है कि जिस प्रकार सार्वजनिक मंच से पटवारी ने तिवारी पर आरोप लगाए है उसी प्रकार पटवारी तीन दिन में माफी मांगे नही तो मानहानि की कार्रवाई की जाएगी।

वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी की ओर से उनके वकील हरीश मेहता और सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता गुंजन चौकसे ने शनिवार को पत्रकार वार्ता के दौरान दी। मेहता ने कहा कि दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता में जीतू पटवारी ने वीर भारत न्यास में 500 करोड़ रुपए का घोटाला होने और एक रुपए में जमीन सौंपने का आरोप लगाया था। साथ ही न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी पर भी कई आरोप लगाए थे।

मेहता ने कहा कि तथ्यों की जानकारी होने के बावजूद पटवारी ने श्रीराम तिवारी पर आरोप लगाए हैं। नोटिस में कहा गया है कि तीन दिन के भीतर सार्वजनिक रूप से दिए गए गलत बयानों पर स्पष्टीकरण दें और माफी मांगें। यदि माफी मांग लेते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पटवारी सार्वजनिक रूप से मीडिया के माध्यम से खेद व्यक्त करते हुए विज्ञप्ति जारी करें। मेहता ने कहा कि इन आरोपों से उनके पक्षकार तिवारी की सार्वजनिक छवि को भी ठेस पहुंची है।

वकील मेहता ने कहा कि वीर भारत न्यास सभी वर्गों और सभी धर्मों को साथ लेकर काम करने वाला न्यास है। सचिव तिवारी ने जो भी कार्य किए हैं, वे विधि के अनुसार किए हैं। इसलिए उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास

पीसीसी चीफ पटवारी ने किया है।

मेहता ने बताया कि वीर भारत न्यास शासकीय न्यास है। जिसके अध्यक्ष हमेशा से सीएम होते है भले ही वो किसी भी दल के हो । 500 करोड़ की जिस जमीन की बात कर रहे है वो संग्रहालय के लिए दी गई है। यह संग्रहालय बनाने की घोषणा राज्यपाल ने विधानसभा सदन में दी गई थी। यह जानकारी 2 वर्ष पूर्व ही सार्वजनिक पोर्टल पर थी। यह जमीन एमपी सरकार के सांस्कृतिक विभाग को दिया गया है। यह एक रुपये में जमीन देने की अफवाह उठा रहे है जो पूरी तरह गलत है। इस आरोप का खंडन कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता ने लगाए है।

वकील गुंजन चौकसे ने कहा कि वीर भारत न्यास विधिवत पंजीकृत न्यास है। यह कोई निजी न्यास नहीं है। इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होते हैं और वर्ष 2012 में गठित इस न्यास के अध्यक्ष कांग्रेस शासनकाल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। चौकसे ने कहा कि पांच करोड़ रुपए की मानहानि के नोटिस से प्राप्त राशि, यदि मिलती है, तो उनके पक्षकार द्वारा सार्वजनिक रूप से किसी एनजीओ को दान की जाएगी।

- दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीतू पटवारी ने यह आरोप लगाए थे

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पांच दिन पहले उज्जैन में लगभग रू500 करोड़ की सरकारी जमीन और इमारत वीर भारत न्यास को मात्र रू 1 की लीज पर सौंपने का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि यह ट्रस्ट मुख्यमंत्री के करीबी का है और नियमों को ताक पर रखकर इसे एक निजी संस्था की तरह फायदा पहुंचाया गया है।

मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिये केप वर्दे ने

अतिरिक्त समय में केप वर्दे को हराकर मेस्सी की अर्जेंटीना पहुंची अंतिम 16 में

मियामी गार्डन्स, एजेंसी।

इस फीफा विश्व कप में साहस और कौशल की नई परिभाषा लिखने वाले छोटे से देश केप वर्दे ने खिताब की प्रबल दावेदार मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिये और अतिरिक्त समय तक चले इस मुकाबले को जीतने के बाद लियोनेल मेस्सी और उनकी टीम ने मस्तक पर छलके पसीने को पोछकर मानों राहत की सांस ली। इसके साथ ही विश्व कप में 'छिपे रूस्तम' केप वर्दे का शानदार अभियान यही खत्म हो गया और जीत के साथ अर्जेंटीना अंतिम 16 में पहुंच गया।

आसानी से हार नहीं मानने वाले केप वर्दे ने नियमित समय में और फिर अतिरिक्त समय में बराबरी के गोल दागे। अर्जेंटीना के तीसरे गोल का वह जवाब नहीं दे सके और मेस्सी की टीम ने 3-2 से मुकाबला जीता। हारने के बावजूद अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश ने विश्व कप के इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। जीत के बाद अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा , मैं केप वर्दे को श्रेय देना चाहूंगा। सच यही है कि जब लोग कहते हैं कि कोई विरोधी टीम कमतर नहीं होती और आज केप वर्दे ने साबित कर दिया कि वह शानदार टीम है। केप वर्दे के लिये डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में गोल दागा जबकि क्रिस्टियन रोमेरो का आत्मघाती गोल अर्जेंटीना के खाते में गया। इससे पहले निर्धारित समय में मेस्सी ने विश्व कप में अपना 20वां गोल किया।

मेस्सी के विश्व कप कॅरियर में अब 20 गोल, इस बार गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी गार्डन्स। लियोनेल मेस्सी का गोल करने का सिलसिला जारी है और वह इतनी सहजता से गोल करके हैं कि यह आसान सा लगता है। इसके साथ ही अर्जेंटीना की लगातार दूसरा विश्व कप जीतने की उम्मीदें भी कायम है हालांकि केप वर्दे ने एकबारगी उसके लिये खतरे की घंटी बजा दी थी। विश्व कप में अपने प्रदर्शन से फुटबॉलप्रेमियों का दिल जीतने वाले केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अर्जेंटीना ने अंतिम 16 में जगह बनाई। मेस्सी का विश्व कप में लगातार गोल करने का सिलसिला 2022 में मिली खिताबी जीत से चला आ रहा है। उन्होंने मैच के बाद कहा , हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

हार के बावजूद वोजिन्हा और केप वर्दे ने जीता फुटबॉलप्रेमियों का दिल

मियामी गार्डंस। विश्व कप शुरू होने से पहले वोजिन्हा की एक ही ख्वाहिश थी कि उनकी मां उन्हें खेलते देखे। ऐसा हुआ और भी बहुत कुछ हुआ जिसने अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश की विश्व फुटबॉल के मानचित्र पर असरदार उपस्थिति दर्ज कराई। दुनिया की नंबर एक टीम और कइयों की नजर में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना को केप वर्दे ने अतिरिक्त समय तक जीत का इंतजार कराया बल्कि एक समय तो लग रहा था कि खेल के इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर हो सकता है।

नोवाक जोकोविच ने फेडरर के विंबलडन रिकॉर्ड की बराबरी की

महिलाओं में अब सबालेंका-ओसाका की टक्कर

वॉशिंगटन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराकर ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 105वीं जीत दर्ज की। विंबलडन के इतिहास में अब सिर्फ मार्टिना नवरातिलोवा 120 जीत के साथ उनसे आगे हैं। वहीं महिला वर्ग में आर्यना सबालेंका और नाओमी ओसाका चौथे दौर में आमने-सामने होंगी।

जोकोविच ने चार सेट में जीता मुकाबला

39 साल के जोकोविच ने 25वीं वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। उन्होंने पहले दो सेट अपने नाम किए, लेकिन रिंडरकनेच ने तीसरा सेट 6-1 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। चौथा सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां जोकोविच ने जीत दर्ज की। करीब तीन घंटे चले मुकाबले के अंतिम पॉइंट पर रिंडरकनेच के ड्रॉप शॉट को बचाने के लिए जोकोविच ने डाइव लगाई। दोनों खिलाड़ी कोर्ट पर गिर पड़े, लेकिन जोकोविच ने पॉइंट जीत लिया। उनकी जीत के बाद सेंटर कोर्ट पर मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाते नजर आए। रिकॉर्ड की बराबरी के बाद जोकोविच ने हंसते हुए कहा, मैं रोजर के साथ 106वें मैच का प्रस्ताव रखता हूं। जो जीतेगा, रिकॉर्ड उसी का होगा। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कोर्ट पर इतिहास का हिस्सा बनना उनके बचपन के सपनों में शामिल था।

सिनर ने भी चौथे दौर में बनाई जगह

डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी को 6-4, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। पहले सेट में शुरूआती बढ़त लेने के बाद सिनर ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे सेट में ब्रूक्सबी ने उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी करते हुए सीधे सेटों में मुकाबला खत्म किया।

आर्यना सबालेंका और ओसाका आमने-सामने

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच आक्रामक खेल देखने को मिला। सबालेंका ने पहले सेट में 111 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस लगाकर बढ़त बनाई और फिर मैच अपने नाम कर लिया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने दारिया कसात्किना को सिर्फ 65 मिनट में 6-1, 6-3 से हराकर पहली बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला सबालेंका से होगा। दोनों के बीच अब तक पांच मैच खेले गए हैं, जिनमें चार बार सबालेंका ने जीत हासिल की है।

सैमसन विदेशी धरती पर पिछली दस पारियों में आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का विदेशी धरती पर पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह पिछली 10 पारियों में 5 बार तो खाता तक नहीं खोल पाये हैं। वहीं पिछली दस पारियों में वह आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे है। हाल में हुए मुकाबलों में वह लगातार शुरुआती ओवरों में ही अपना विकेट गंवा बैठे हैं। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। मौजूदा टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक होने के कारण उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का भारी दबाव है क्योंकि सलामी बल्लेबाज के तौर पर वैभव सूर्यवंशी सहित कई युवा खिलाड़ी अवसर के इंतजार में हैं। ऐसे में अगर वह रन नहीं बनाते तो उनके लिए टीम में जगह बनाये रखना कठिन होगा। सैमसन के विदेशी धरती पर आंकड़ों पर ध्यान दें तो उनके लिए टीम में बने रहना कठिन हो गया है। पिछली 10 पारियों में वह विदेशी धरती पर दो बार ही शतक लगा पाये हैं। इसके अलावा वे दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान संजू पांच बार बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे हैं, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण इस टी20 सीरीज में सैमसन के लिए अपनी जगह बचा पाना कठिन हो रहा है। पिछले तीन टी20 मैचों में उनका बल्ला शांत रहा है और वे बहुत जल्दी पवेलियन लौटे हैं।

मिस्र ने ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया, हानी के नाम दर्ज हुआ अनचाह रिकार्ड

दो आत्मघाती गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बने

डलास। मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के नाम फीफा विश्वकप फुटबॉल में एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। वह एक ही विश्वकप में दो आत्मघाती गोल दागने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। मिस्र ने इसके बाद भी इस नॉकआउट मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट से 4-2 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। इस मैच के 55वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर एडेन ओ नील की फ्रीकिक हानी के सिर से टकराकर मिस्र के गोल में चली गई। इससे पहले हानी ने बेल्जियम के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे ग्रुप चरण के मैच में भी एक आत्मघाती गोल किया था। इस प्रकार, हानी दो आत्मघाती गोल करने वाले विश्व कप के पहले खिलाड़ी बन गए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में मिस्र ने 13वें मिनट में इमाम अशूर के शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली थी पर 55वें मिनट में, हानी के आत्मघाती गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। इस गोल से कुछ ही समय पहले, ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर कोनोर मेटकाफे से टकराने के कारण हानी को स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था और उनके सिर में चोट (कनकशन) की जांच भी की गई। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद, मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जहां मिस्र की ओर से होसाम अब्दुलमागुद ने निर्णायक गोल किया । इसे अलावा मोहम्मद सालाह ने भी एक गोल दागो। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए हैरी साउटार अपना निशाना चूक गए और 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से जा टकराया, जिससे उनकी टीम ने दो शॉट खो दिये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जैकसन इरविन और अवेर माबिल ही गोल कर पाये। मिस्र के लिए यह जीत ऐतिहासिक है, क्योंकि उन्होंने अपने चौथे विश्व कप में पहली बार नॉकआउट चरण में जीत हासिल की है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया को नॉकआउट में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है।

भारतीय टीम के खिलाफ जीत से आयरलैंड की विश्व स्तर पर स्वीकार्यता बढ़ी - ओडोनेल

डबलिन। आयरलैंड आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष ब्रायन ओडोनेल ने कहा है कि भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ टी20 सिरीज में मिली 2-0 की जीत के बाद उनकी टीम की विश्व स्तर पर पहचान बढ़ी है। साथ ही कहा कि अब टीमें उसे गंभ्रीरता से लेंगी। इस ऐतिहासिक सफलता से आयरलैंड के लिए भविष्य में अधिक चुनौतीपूर्ण मुकाबले मिलने का अवसर बनेगा। आयरलैंड ने बेलफास्ट में खेली गई इस दो मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप करते हुए व्हाइटवॉश किया था, जो उनकी खेल यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है।

ओडोनेल ने इस जीत को आयरिश खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला क्षण बताया है, जिससे उन्हें खेल के अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस जीत का आयरिश क्रिकेट की क्षमता के आकलन पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अध्यक्ष के अनुसार, इस जीत के बाद अब विरोधी टीम के रूप में हमारी स्वीकार्यता बढ़ेगी और हमें अधिक सम्मान मिलेगा। उन्होंने इस सफलता को क्रिकेट आयरलैंड, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और अन्य हितधारकों द्वारा देश में क्रिकेट के विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण निवेश का प्रत्यक्ष परिणाम भी बताया, विशेषकर बुनियादी ढांचे में हुए बड़े पैमाने पर सुधार का।

यह जीत आयरलैंड के क्रिकेट इतिहास में एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहली बार था जब उन्होंने किसी भी प्रारूप में भारत को न केवल एक मैच में हराया, बल्कि पूरी सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप करते हुए व्हाइटवॉश भी किया। बेलफास्ट में 26 और 28 जून को खेले गए इन रोमांचक मुकाबलों में भारतीय टीम को अप्रत्याशित और शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

श्रृंखला के पहले मुकाबले में आयरलैंड ने भारत को 34 रनों से शिकस्त दी थी, जबकि दूसरे मैच में उन्होंने सिर्फ 1 रन के बेहद करीबी अंतर से जीत दर्ज कर एक अविश्वसनीय प्रदर्शन किया।

वैभव सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बने, तिलक ने सौंपी कैप

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आज यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस मैच की विशेष बात ये रही कि उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिला और वह सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये । वैभव को उपकप्तान तिलक वर्मा ने भारतीय कैप दी।

वैभव इसी के साथ ही भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। वे 15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैं। वहीं इसी के साथ ही वैभव ने शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। महिला क्रिकेटर शेफाली ने 15 साल 239 दिन जबकि सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेला था।

वैभव जिस मैदान पर भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया, उसी ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में सचिन ने 14 अगस्त 1990 को अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया था। तब 17 साल 112 दिन की उम्र में सचिन ने इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 119 रन बनाकर भारत को हार से बचाया था।

भारतीय टीम ने दूसरे टी-20 में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कप्तान श्रेयस ने संजू सैमसन की जगह वैभव को मौका दिया। श्रेयस ने कहा, हम फिर पहले बल्लेबाजी करेंगे। वैभव ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह बल्लेबाजी की है, उसे देखते हुए वह इस मौके के पूरी तरह अधिकार हैं। वह ऐसा खिलाड़ी है, जो दबाव बिल्कुल नहीं लेता। उसे अच्छी तरह पता है कि आगे क्या चुनौतियां आने वाली हैं।

वहीं मेजबान इंग्लैंड ने एक बदलाव के तहत जोश टंग को डेब्यू का अवसर दिया। टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है।

दोन ही टीमें इस प्रकार हैं ः -

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड (एकादश)ः हैरी ब्रूक (कप्तान), फिल सॉल्ट, जोस बटलर, जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम कुरन, विल जैक्स, जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन, आदिल राशिद और जोश टंग ।

बल्लेबाजी के दौरान गाने गुनगुनाता था - सहवाग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग कई बार बल्लेबाजी के दौरान अक्सर गाने गुनगुनाया करते थे। सहवाग का कहना है कि वह ऐसा दबाव से मुक्त रहकर अपने अंदाज में खेलने के लिए करते थे। सहवाग ने यह भी कहा कि एक बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान, एक खिलाड़ी ने उनसे बल्लेबाजी करते हुए महान गायक किशोर कुमार का गीत सुनाने की की अनोखी फरमाइश कर दी थी। यह वाकया उनके अनोखे अंदाज और खेल के प्रति सहज दृष्टिकोण को दर्शाता है। सहवाग ने बताया कि यह घटना वर्ष 2005 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज के निर्णायक मुकाबले की है। सहवाग उस मैच में डेढ़ सौ से अधिक रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान शॉर्ट लेग पर फील्डिंग कर रहे पाकिस्तान के बल्लेबाज यासिर हमीद उनके पास आए और जिज्ञासावश पूछा कि क्या वह वाकई बल्लेबाजी करते समय गाना गाते हैं। जब सहवाग ने मुस्कुराते हुए इसकी पुष्टि की, तो यासिर ने उनसे महान गायक किशोर कुमार का कोई गीत सुनाने की इच्छा व्यक्त की। सहवाग ने बताया कि उन्होंने उनकी इस फरमाइश को पूरी सहजता से पूरा किया और बल्लेबाजी के साथ-साथ गीत भी गुनगुनाते रहे, जो मैदान पर खिलाड़ियों के बीच सौहार्द का एक अनूठा उदाहरण बन गया। सहवाग के अनुसार, संगीत उनके खेल का एक अभिन्न अंग था। उनका सबसे पसंदीदा गीत किशोर कुमार का सदाबहार गाना 'चला जाता हूं किसी की धुन में, धड़कते दिल के तराने लिए' था। सहवाग ने बताया कि यह गीत उनका मूड हमेशा बेहतर कर देता था और वह किसी भी परिस्थिति में इसे गा सकते थे। जब वह अच्छी लय में बल्लेबाजी कर रहे होते थे, तब उस दौर के लोकप्रिय फिल्मी गीत भी गुनगुनाते थे। वहीं, मानसिक एकाग्रता बनाए रखने और खुद को शांत रखने के लिए वह कई बार भजन भी दोहराते थे। सहवाग का मानना है कि गाने गाने से उनका ध्यान अनावश्यक दबाव से हट जाता था और वह गेंद को उसकी गुणवत्ता के आधार पर खेल पाते थे।

महिला टी20 विश्व कप में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में खिताबी मुकाबला

लंदन । यहां के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर रविवार को महिला टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। ये मुकाबला ऑस्ट्रेया और मेजबान इंग्लैंड के बीच होगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इसमें जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम सातवीं बार जीत दर्ज कर रिकार्ड बनाना चाहेगी। वहीं इंग्लैंड टीम अपनी धरती पर खिताब जीतकर प्रशंसकों को खुश होने का अवसर देना चाहेगी। मेजबान टीम अपनी धरती पर आजतक टी20 विश्व कप में कभी नहीं हारी हैं। ऐसे में जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह आसान नहीं दिखती।

इंग्लैंड की टीम ने साल 2009 से लेकर इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक कुल 11 मुकाबले खेले हैं और सभी में शानदार जीत दर्ज की है। यह आंकड़ा घरेलू हालातों में उनकी जीत की प्रबल दावेदारी को दिखाता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया आठवीं बार फाइनल में पहुंची है, जो महिला क्रिकेट में उनकी लगातार जीत का प्रमाण है।

मौजूदा विश्व कप में दोनों टीमें एक भी मैच नहीं हारी हैं। सोफी मोलिनक्स की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने सभी छह लीग मैच और सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में स्थान पक्का किया है। दूसरी ओर नेट साइवर-ब्रंट की कप्तानी में मेजबान इंग्लैंड भी टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बिना

खिताबी मुकाबले तक पहुंचा है। ऐसे में होने वाला खिताबी मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनों टीमों के बीच क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अब तक कुल 45 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 22 में ऑस्ट्रेलिया जीती है जबकि इंग्लैंड को 20 मैचों में जीत मिली है। दो मुकाबले टाई रहे और एक का कोई परिणाम नहीं निकला। यह आंकड़े दिखाते हैं कि दोनों टीमों के बीच अक्सर कांटे की टक्कर देखने को मिलती है और फाइनल में भी एक रोमांचक मुकाबला होने की पूरी उम्मीद है।

दोनों ही टीमों के पास बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद हैं, जो किसी भी समय मैच का रुख पलट सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कप्तान सोफी मोलिनक्स के अलावा एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, बेथ मूनी और एलिस पेरी जैसी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वहीं, इंग्लैंड टीम में कप्तान नैट साइवर-ब्रंट के साथ सोफी एक्लेस्टोन, हीथर नाइट और डैनी व्याट-हॉज जैसी मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं।

कनाडा के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को के कोच ने टीम को चेताया

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया तो घर वापसी तय

ह्यूस्टन (ईएमएस)। मोरक्को के मुख्य कोच मोहम्मद ओआहबी ने कहा है कि कनाडा के खिलाफ होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए कोई कमी नहीं रखनी होगी। गौरतलबह है कि राउंड ऑफ 16 में मोरक्को का सामना कनाडा से होने जा रहा है। इस मुकाबले से पहले, अपनी टीम को आगाह करते हुए कोच ने कहा कि नॉकआउट चरण में किसी भी गलती की गुंजाइश नहीं है और कनाडा जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। कोच ओआहबी ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन होगा, जहां एक छोटी सी गलती भी टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर सकती है।

वहीं टीम की तैयारियों पर बात करते हुए कोच ने बताया कि सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट और मुकाबले के लिए तैयार हैं, जो मैदान में उतरेंगे वे शत-प्रतिशत योगदान देने को प्रतिबद्ध होंगे। टीम के स्टार खिलाड़ी ब्राहिम डियाज के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचनाओं का भी कोच ने जवाब दिया। ओआहबी ने कहा कि शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों से हमेशा अधिक उम्मीदें होती हैं। उन्होंने माना कि डियाज भले ही पिछले टूर्नामेंट जैसे फॉर्म में न हों, लेकिन वे टीम के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मोरक्को ने ग्रुप चरण में पांच बार की चैंपियन ब्राजील के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीम को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। वहीं कनाडा के खिलाफ मोरक्को का रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है; दोनों टीमों के बीच अब तक चार मुकाबले खेले गए हैं और मोरक्को को एक भी हार नहीं मिली है।

गिरजा/ईएमएस 04जुलाई 2026

द्रविड़ के बेटे ने भारतीय अंडर-19 टीम से डेब्यू किया

कोलंबे। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत की अंडर-19 टीम की ओर से डेब्यू किया है। अन्वय को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ हुए एक अहम मुकाबले में अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया है। इससे उनके उनके करियर का एक नय अध्याय शुरु हुआ। अन्वय एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के हैं! पिछले कुछ समय से अन्वय ने जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 टीम में जगह बनायी है। अन्वय पर राहुल द्रविड के पुत्र होने के कारण उम्मीदों का बोझ था जिसमें वह खरे उतरे। द्रविड़ ने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पहचान बनाने और अपने जुनून का पालन करने की आजाद दी है। है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कभी भी अपने बेटों पर क्रिकेट में करियर बनाने का दबाव नहीं डाला, बल्कि उन्हें स्वाभाविक रूप से विकसित होने दिया। अन्वय का यह चयन उनकी अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है, न कि उनके उपनाम का।

मुंबई समेत महाराष्ट्र में बारिश का कहर

रेड अलर्ट, स्कूल बंद, सड़कें-रेल सेवाएं प्रभावित, कई इलाकों में जलभराव और भूस्खलन

मुंबई। मुंबई एवं इसके आस-पास के उपनगरों में मानसून ने एक बार फिर रौद्र रूप धारण कर लिया है। मुंबई समेत राज्य के कई जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि मुंबई और ठाणे जिले के सभी स्कूलों में एहतियात के तौर पर छुट्टी घोषित कर दी गई है। मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और सातारा समेत कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की जा रही है। लगातार बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया है, जिससे सड़क यातायात और रेल सेवाओं पर व्यापक असर पड़ा है। पूरे दिन मुंबई में धुंध जैसा माहौल बना रहा, जिससे दृश्यता कम होने के कारण यातायात प्रभावित हुआ। बारिश के चलते सड़कें फिसलनभरी हो गई हैं और कई स्थानों पर लंबा जाम देखने को मिला। पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे पर बोरीवली की ओर जाने वाला यातायात भी धीमी गति से चल रहा है।

- बारवी बांध में तेजी से बढ़ा जलस्तर

ठाणे और आसपास के शहरों की प्यास बुझाने वाले बारवी बांध क्षेत्र में बारिश ने जोरदार वापसी की है। सुबह से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते मात्र 9 घंटे में 100 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इससे बांध का जलस्तर लगभग 4 फीट बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों से बारिश कम होने के कारण जलसंकट की आशंका पैदा हो गई थी, लेकिन ताजा बारिश ने प्रशासन और नागरिकों को बड़ी राहत दी है।

- वसई-विरार में जनजीवन अस्त-व्यस्त, लोकल ट्रेनें लेट

लगातार बारिश का असर वसई-विरार क्षेत्र में भी देखने को मिला। विरार-चर्चगेट लोकल ट्रेनें करीब आधे घंटे की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों नौकरीपेशा लोगों और विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं नालासोपारा स्टेशन के आसपास कमर तक पानी भर जाने से लोगों की आवाजाही मुश्किल हो गई और सड़क यातायात भी बाधित हो गया।

- सड़क धंसने और पुल क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं

कल्याण-शील मार्ग पर पुराने पलावा रेलवे फ्लाईओवर के ऊपर सड़क का एक हिस्सा खिसक गया, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल बैरिकेडिंग कर क्षेत्र को सुरक्षित किया। लगातार बारिश के कारण सड़क के और हिस्से के धंसने की आशंका जताई जा रही है। वहीं भांडुप के सोनापुर इलाके में सड़क धंस गई और उसके किनारे बनी सुरक्षा दीवार भी गिर गई। महापौर रितू तावडे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

- पेड़ गिरने की कई घटनाएं

मुंबई में तेज बारिश और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। ताज होटल के सामने एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं मंत्री छगन भुजबल के बंगले के बाहर भी एक पेड़ कार पर गिर गया। स्थानीय लोगों की सतर्कता से चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जबकि चेंबूर, पुणे और रत्नागिरी में भी पेड़ गिरने की कई घटनाएं दर्ज की गईं।

- घर ढहा, नागरिकों में दहशत

मुंबई के विक्रोली के पहाड़ी इलाके में लगातार बारिश के चलते एक मकान ढह गया, जिससे आसपास के लोगों में भय का माहौल है। वहीं रायगढ़ और सातारा जिलों में कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं।

- समुद्र में ऊंची लहरें, मरीन ड्राइव पर अलर्ट

मुंबई में तेज बारिश के साथ समुद्र भी उफान पर है। मरीन ड्राइव पर समुद्र में 4.26 मीटर ऊंची लहरें उठ रही हैं। प्रशासन ने लोगों से समुद्र किनारे जाने से बचने और सतर्क रहने की अपील की है।

- कई इलाके जलमग्न

बारिश के कारण अंधेरी के मिलन सबवे में पानी भर गया है, जिसके चलते सुरक्षा के मद्देनजर सबवे को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। खार इलाके में घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों ने नालों की सफाई पर सवाल उठाए हैं। वहीं कुर्ला पूर्व रेलवे स्टेशन का पूरा परिसर जलमग्न हो गया है, जिससे यात्रियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

- यवतमाल में नए पुल की गुणवत्ता पर सवाल

उधर यवतमाल में हाल ही में बने एक नए पुल का डामर पहली ही बारिश में बह गया। इस घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

- मुख्यमंत्री की अपील

राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी कि 6 जुलाई तक राज्य के कई हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और नागरिकों से अपील की है कि बहुत जरूरी काम न हो तो घर से बाहर निकलने से बचें तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई,। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है।

शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उपमुख्यमंत्री की तबीयत खराब होने के कारण इस कार्यक्रम का समय बदलना पड़ा। बाद में देर रात करीब दो बजे कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में शुभांगी पाटिल ने शिवसेना में प्रवेश किया।

नई गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम लाने की तैयारी में सरकार, बैंक लॉकर की तरह 2.5 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा

नई दिल्ली। अब आप अपने सोने को बैंक लॉकर की तरह ज्वेलर्स (सर्राफा व्यापारी) के पास भी जमा कर सकेंगे। खास बात ये है कि इससे आपको 2.5 प्रतिशत तक का ब्याज भी मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार अगले दो हफ्तों के में एक नई और अपडेटेड 'गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम' का एलान कर सकती है। नई स्कीम में देशभर के सराफा व्यापारियों को कलेक्शन पार्टनर्स के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिससे वे आम लोगों से सोना जमा कर सकेंगे। इससे पहले सिर्फ बैंकों को ही सोना जमा करने की अनुमति थी। सरकार का यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने देश के लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की बात कही थी।

अब ज्वेलर्स के पास भी जमा कर सकेंगे सोना

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन ने कहा है कि नए फ्रेमवर्क के तहत ज्वेलर्स को कलेक्शन पार्टनर बनाने से घरों में रखे सोने को इकट्ठा करने में तेजी आएगी। इससे उम्मीद है कि सरकार बाजार से 1000 टन से ज्यादा सोना जुटा सकेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर भारतीय परिवारों के पास मौजूद कुल सोने का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा भी इस नई स्कीम में जमा होता है, तो इससे देश के बाजार में करीब 90 अरब डॉलर (लगभग 8.57 लाख करोड़ रुपए) की नकदी आ सकती है। इससे भारत को 2 साल तक बाहर से सोना नहीं मंगाया पड़ेगा, डॉलर की मांग घटेगी और भारतीय रुपया मजबूत होगा।

भारतीय घरों और मंदिरों में 50,000 टन सोना रखा

भारतीय व्यापारियों के संगठन एसोचैम (द एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय घरों और मंदिरों में 50,000 टन सोना रखा है, जिसकी वैल्यू करीब 10 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 830 लाख करोड़ रूपए है। यह दुनिया के सबसे बड़े 10 सेंट्रल बैंकों के कुल भंडार से भी ज्यादा है। भारतीयों के पास इतना सोना है कि अमेरिका और चीन को छोडक़र दुनिया के लगभग हर देश की सालाना जीडीपी से भी ज्यादा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड कंज्यूमर है। वित्त वर्ष 2026 में भारत ने हर महीने औसतन 60 टन सोना आयात किया है। इस पर हर महीने करीब 6 बिलियन डॉलर यानी करीब 57 हजार करोड़ रुपए का खर्च आया है।

टीएमसी का चुनाव चिन्ह कोई नहीं छीन सकता

-पूर्व सीएम ममता बनर्जी का भाजपा पर हमला, बागियों पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर असंतोष और बगावत को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है तथा कुछ लोग भाजपा के साथ मिलकर तृणमूल कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर भी साजिश रची जा रही है, लेकिन इसमें किसी को सफलता नहीं मिलेगी।

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का चुनाव चिन्ह सुरक्षित है और उसे कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो मैं चुनाव चिन्ह को गले में टांगकर जनता के बीच चली जाऊंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के प्रतीक को लेकर किसी भी तरह की आशंका का कोई आधार नहीं है। इस दौरान ममता बनर्जी ने संगठन में बदलाव का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष होने के साथ-साथ अब वह पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। इसके अलावा मदन मित्रा और कुणाल घोष को पार्टी की समिति में महासचिव नियुक्त किया गया है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता ने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग कर टीएमसी कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के नेताओं, जिनमें अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा भी शामिल हैं, को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उनके अनुसार, भाजपा राज्य में राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है। राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा विवाद का उल्लेख करते हुए भी ममता बनर्जी ने भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर के लिए लोगों द्वारा दिए गए दान को लेकर उठे विवादों ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है।

टीएमसी प्रमुख ने 21 जुलाई को आयोजित होने वाले पार्टी के शहीद दिवस कार्यक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन कार्यक्रम के लिए स्थान उपलब्ध नहीं कराता है, तब भी आयोजन हर हाल में होगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह रिक्शा पर बैठकर भी शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी। ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कठिन समय में साथ खड़े रहने वाले कार्यकर्ता ही किसी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत होते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगी।

पत्नी ने पति को मारकर बाथरूम में दफनाया, 45 दिन उसी बाथरुम का इस्तेमाल करती रही

आगरा। आगरा में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर उसके शव को घर के बाथरूम में दफना कर उस पर नया फर्श बनवा दिया। करीब 45 दिनों तक उसी बाथरूम का इस्तेमाल करती रही और परिवार व पुलिस को गुमराह करती रही। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा तब हुआ जब महिला के जेठ ने उस पर शक कर सख्ती से बात की, जिसके बाद महिला ने अपना जुर्म कबूल किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी रूबी ने 17 मई की रात अपने पति सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) को खीर में 18 से अधिक नींद की गोलियां मिलाकर खिला दीं, जिससे पति की मौत हो गई। रूबी ने बताया कि सुरेंद्र शराब पीकर मारपीट करता था, जिससे वह परेशान थी और इसकारण पति की हत्या का यह प्लान बनाया। पति की मौत के बाद, रूबी ने सबसे पहले अपने जेठ अनिल शर्मा को फोन कर सास और बच्चों को घर से दूर भेजने के लिए पुलिस केस का झूठ बोला। इसके बाद, सुरेंद्र के शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले जाकर गड्ढा खोदा और दफना दिया। सबूत मिटाने के लिए आरोपी रूबी ने मजदूरों से बाथरूम में नया फर्श बनवा दिया और इस दौरान कुछ दिनों के लिए खुद भी राजस्थान चली गई।

सुरेंद्र की गुमशुदगी के बाद रूबी 45 दिनों तक पुलिस के साथ मिलकर पति की खोजबीन का नाटक करती रही और रोने का ढोंग भी करती थी। हालांकि, उसके जेठ अनिल को रूबी के व्यवहार पर संदेह हो रहा था। शुक्रवार को अनिल ने रूबी को समझाया और भरोसा दिलाया कि वह उस बचाएगा, जिसके बाद रूबी टूट गई और हत्या का पूरा सच उजागर कर दिया। अनिल की सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और बाथरूम का फर्श तोड़ा। गड्ढे से सुरेंद्र का सिर्फ कंकाल बरामद हुआ, क्योंकि शव पूरी तरह गल चुका था। सुरेंद्र शर्मा मूल रूप से भरतपुर, राजस्थान के रहने वाले थे और आगरा में सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में अपनी पत्नी, दो बेटियों और मां के साथ रहते थे। उनकी शादी 2010 में इटावा निवासी रूबी से हुई थी। पुलिस ने बताया कि 26 मई को सुरेंद्र शर्मा की गुमशुदगी दर्ज की गई थी।

टीएमसी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा ने छोड़ी पार्टी

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले ही संकट से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी की राइट हैंड मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापठक के बीच ममता बनर्जी की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना टीएमसी के लिए एक बहुत बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपने इस फैसले की जानकारी दी है।

ऊर्जा संकट में दुनिया ने देखा भारत की कूटनीति का जलवा- पीएम मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का जिक्र कर कहा कि इस संकट के समय भारत की कूटनीतिक शक्ति का जलवा दुनिया को दिखा, इस शक्ति ने देश को चुनौती से सफलतापूर्वक निपटने में मदद की।

पीएम मोदी ने बताया कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष ने 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा किया था। इस चुनौती के बावजूद, भारत ने सही फैसलों, सटीक आकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके सफलतापूर्वक स्थिति संभाली। उन्होंने कहा कि संकट से पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन आयात करता था, लेकिन युद्ध के दौरान भारत की कूटनीति के कारण यह संख्या 40 से अधिक देशों तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस अवधि में भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि उसके लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा, उन पर ईंधन संकट के बीच अफवाहें फैलाने और राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गलत इरादे वाले सफल नहीं हुए और देश में दूर-दराज के इलाकों में भी छोटी-मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन आपूर्ति में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। पीएम मोदी ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थीं, तब पर्दे के पीछे किस स्तर पर दिन-रात काम हो रहा था और स्थिति को संभाला जा रहा था, यह कभी न कभी इतिहास में लिखा जाएगा।

अपने संबोधन में, पीएम मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहकर अफवाहों, डर और भ्रम फैलाने वालों की साजिशों को नाकाम किया।

भारत के ई20 पेट्रोल प्रस्ताव को भूटान ने ठुकराया

नई दिल्ली। भारत में एथेनॉल मिश्रित ईंधन (ई20) को बढ़ावा देने की नीति के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसीएस) के ई20 पेट्रोल आपूर्ति प्रस्ताव को फिलहाल स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। भूटान के स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि भूटान ने भारत से कहा है कि ई20 न भेजा जाए और जब तक सामान्य पेट्रोल उपलब्ध है, तब तक उसी की आपूर्ति जारी रखी जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, भूटान की सबसे बड़ी चिंता उसके पुराने फ्यूल स्टोरेज ढांचे को लेकर है। देश के अधिकांश ईंधन भंडारण टैंक भूमिगत हैं, जहां पानी के रिसाव और नमी की समस्या बनी रहती है।

चन्नी पर भारी पड़ा हाईकमान का फैसला

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ी हलचल, ऑब्जर्वर पैनल की सिफारिश भी नहीं आई काम

चंडीगढ़,। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान के फैसले ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए गठित कांग्रेस के तीन सदस्यीय ऑब्जर्वर पैनल ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके पद पर बरकरार रखने का फैसला किया, जिससे संगठन के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव की सदस्यता वाली समिति ने पंजाब के करीब 67 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय जानी। इस दौरान कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई नेताओं से विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि क्या प्रदेश संगठन के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो अधिकांश नेताओं ने पिछले साढ़े चार वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष रहे राजा वड़िंग के कामकाज पर असंतोष व्यक्त करते हुए चन्नी को संगठन की कमान सौंपने की वकालत की। समिति ने नेताओं की राय को अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए चन्नी को राज्य में कांग्रेस का सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया। इससे चन्नी समर्थकों को नेतृत्व परिवर्तन की पूरी उम्मीद थी। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने नेतृत्व में बदलाव के बजाय यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी के कुछ नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नेतृत्व बदलने का इरादा नहीं था तो व्यापक स्तर पर रायशुमारी कराने का औचित्य क्या था।

वहीं, पार्टी के भीतर एक अन्य धड़ा हाईकमान के फैसले का समर्थन करता नजर आ रहा है। इस वर्ग का मानना है कि चन्नी लोकप्रिय नेता जरूर हैं, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच उनकी वास्तविक पकड़ को लेकर अभी भी सवाल बने हुए हैं। ऐसे में आगामी चुनावी तैयारियों के दौरान यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस इस फैसले के बाद कितनी एकजुट रह पाती है और आंतरिक असंतोष का पार्टी के प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

सोनिया गांधी के मतदाता सूची विवाद पर अंतिम सुनवाई 25 जुलाई को

नई दिल्ली,। कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में, राउज एवेन्यू कोर्ट में 25 जुलाई को अंतिम सुनवाई करेगी। यह मामला बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए कथित तौर पर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने और जालसाजी से जुड़ा हुआ है। सोनिया गांधी के खिलाफ दायर पुनरीक्षण (रिवीजन) याचिका पर सुनवाई टलने के बाद नई तारीख तय की गई है, जहां कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वकील ने अदालत में अपनी लिखित दलीलें दाखिल कीं। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों को अपनी-अपनी लिखित दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

वकील विकास त्रिपाठी द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका में दावा है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल, 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी, जबकि उनका नाम वर्ष 1980 की मतदाता सूची में दर्ज था। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि 1980 में उनका नाम किस आधार पर शामिल हुआ, और 1982 में इस नाम को मतदाता सूची से क्यों हटाया गया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यदि उन्होंने 1983 में नागरिकता प्राप्त की थी, तब 1980 में मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए कौन से दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे और क्या इसके लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल हुआ था। इसके पहले, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली शिकायत को खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने तर्क दिया था कि न्यायपालिका ऐसी जांच शुरू नहीं कर सकती जिससे संवैधानिक अधिकारियों को सौंपे गए क्षेत्रों में अनुचित अतिक्रमण हो, और यह संविधान के अनुच्छेद 329 के तहत चुनावी मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप को सीमित करता है।

दिल्ली दंगा साजिश मामला : उमर और शरजील की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा साजिश मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को फिलहाल राहत नहीं मिली है। कड़कड़डूमा अदालत ने दोनों की ओर से दायर ताजा जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा।

उमर खालिद और शरजील इमाम ने अपनी नई जमानत याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की थी। उनका तर्क था कि शीर्ष अदालत ने जमानत से जुड़े कानूनी सिद्धांतों की नई व्याख्या की है, जिसका लाभ उन्हें भी मिलना चाहिए। हालांकि, सुनवाई के बाद कड़कड़डूमा कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया और दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

दिल्ली दंगा साजिश का मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा है। उस हिंसा में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इसके अलावा बड़ी संख्या में मकान, दुकानें और धार्मिक स्थलों को भी नुकसान पहुंचा था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का आरोप है कि हिंसा अचानक नहीं भड़की थी, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश थी। इसी आधार पर सितंबर 2020 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 59/2020 दर्ज की गई थी। इस मामले में कई छात्र नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य आरोपियों के साथ उमर खालिद और शरजील इमाम को भी गिरफ्तार किया गया था।

हिदायत/ईएमएस 04जुलाई26

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

चाचा को शराब पीने से मना करने पर भतीजे ने चाची से की मारपीट

दी जान से मारने की धमकी, किरनापुर थाना क्षेत्र के नेवरगांव कला का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवरगांव कला से सामने आई है। यहां चाचा को शराब पीने से मना करने पर एक युवक ने अपनी ही चाची के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दे डाली। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में प्रशांत गनवीर के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नेवरगांव कला निवासी 42 वर्षीय ममता गनवीर मजदूरी करती हैं। 3 जुलाई को सुबह करीब 10 बजे ममता घर में काम कर रही थीं। इसी दौरान उनके पति प्रमोद गनवीर शराब पीकर घर पहुंचे और घरेलू बातों को लेकर पत्नी से बात करने लगे। ममता उन्हें समझा रही थीं कि तभी प्रमोद घर से बाहर चला गया।

थोड़ी देर बाद ममता के जेठ का लड़का प्रशांत गनवीर घर आया। उसने ममता से कहा कि तुम अपने पति प्रमोद को शराब पीने से मना करने वाली कौन होती हो। जिसके बाद प्रशांत ने भ ?कते हुये ममता को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया और हाथ मुक्कों से मारपीट भी कर दी ।जिससे ममता को चोटें आई ।बताया जा रहा है कि बीच बचाव करने के बाद प्रशांत ने ममता को अपने पति को शराब पीने मना करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी ।घटना के बाद ममता किरनापुर थाना पहुंची और पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। किरनापुर पुलिस ने ममता की रिपोर्ट पर आरोपी प्रशांत गनवीर के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है ।फिलहाल मामले की विवेचना किरनापुर पुलिस कर रही है।

अधूरे निर्माण से गुजरी के व्यापारी परेशान दुकानों में घुस रहा वर्षा व गंदा पानी

20 दिन पूर्व नाली बनाने के लिए की खुदाई, आज तक नही बनाई नाली, परेशान व्यापारियों का 181 की शिकायत पर भी नही निकल रहा समाधान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्षा के पूर्व पानी की निकासी के लिए नगरीय प्रशासन के द्वारा नाला-नालियों का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन वर्षा से करीब माह पूर्व शुरु किए गए ये काम अब पूरे नही हो पाए है ।उधर वर्षाकाल में नालियों का अब तक निर्माण ना होने से, वर्षा होने के चलते लोगो को भारी असुविधाओ का सामना करना पड़ रहा है ।जहा वर्षा होते ही अधूरे निर्माण फिसलन भरे कीचड़ में बदल रहे है, जिससे न सिर्फ राहगीर बल्कि व्यापारियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।ऐसे ही एक अधूरी नाली से परेशान गुजरी बाजार के व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर नाराजगी जताई है, ओर मामले की शिकायत सीएम हेल्प लाइन में कर उन्हें निजात दिलाने की मांग की है। हालांकि सीएम हेल्पलाइन लगाने पर भी अब तक इन व्यापारियों को किसी प्रकार की राहत नही मिल पाई है।

करीब 150 मीटर लंबा बन रहा नाली

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के अतिव्यस्तम मार्ग गुजरी बाजार में करीब 100 से 150 मीटर के लंबी नाली का निर्माण किया जाना है ।जिसके लिए करीब 20 दिन पूर्व खुदाई का कार्य किया गया है, इस कार्य के लिए दुकानों के सामने जहां खुदाई की गई है, वहीं कार्य में अड़चन न आए इसलिए दुकानों के टीन शेड भी निकाल दिए गए है ।लेकिन निर्माण के लिए की गई खुदाई के बाद अब तक नाली निर्माण का कार्य शुरू नही किया गया है ।जिसके निर्माण के लिए थोड़ी जगह में सरिया जाला तो बिछा दिया गया है लेकिन पिछले कई दिनों काम बंद है। ऐसे में वर्षा होने पर व्यापारी और ग्राहक दुकान नही पहुच पा रहे है ।वही दुकानों में लगे टीन शेड निकालने के चलते अब पानी सीधे दुकानों के अंदर घुसकर रहा है, वहीं नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे की फिसलन भरी मिट्टी गदंगी का माहौल निर्मित कर रही है ।जिससे व्यापारी काफी परेशान है।

व्यापार हो गया ठप, बढ़ गई है परेशानी

बता दें कि गुजरी बाजार में जिस तरह से नाली के निर्माण के लिए खुदाई का कार्य किया गया है, उस तरफ अधिकत्तर कपड़े की दुकानें संचालित होती है, इसके साथ ही अन्य व्यापारियों की दुकानें भी है। करीब एक माह से खुदाई के चलते पहले से ही व्यापारियों का व्यापार ठप हो गया है। वहीं अब वर्षा ने उनकी परेशानी को ओर भी अधिक बढ़ा दिया है।

ठेकेदार कहता है, कर दों जहां करना है शिकायत

गुजरी बाजार के दुकान ओरिष स्वामी, राजेन्द वाधवानी, अजीत चावला आप नेता मनोज पमनानी सहित अन्य ने बताया कि नाली निर्माण कार्य को पूर्ण किए जाने के लिए जब ठेकेदार से बातचीत की गई तो ठेकेदार के द्वारा ये कहा गया कि वर्षा होने के चलते निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। चाहे जहां शिकायत कर लो, मेरा कुछ नहीं होने वाला है ।उन्होंने बताया कि नाली निर्माण ना होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।ग्राहक दुकान नही पहुच पा रहे है ।हमारी मांग है नाली निर्माण का काम जल्द से जल्द पूर्ण कर हमे राहत दिलाई जाए ।लेकिन हमारी कही कोई सुनवाई नही हो रही है।

आंगन में लकड़ी निकालते समय जहरीले सांप ने डसा

70 वर्षीय वृद्धा की इलाज के दौरान मौत, दो दिन पहले बिरसा क्षेत्र में दो बच्चों की भी हुई थी मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वर्षाकाल की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दो दिन पहले बिरसा थाना क्षेत्र में जहरीले सांप के काटने से दो मासूम बच्चों की मौत का मामला सामने आया था। वहीं अब बिरसा थाना से लगे मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम भीमलाट में एक 70 वर्षीय वृद्धा की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। यह हादसा 3 जुलाई को दोपहर करीब 12ः30 बजे उस समय हुआ, जब वृद्धा अपने घर के आंगन में रखे लकड़ियों के ढेर से पानी गर्म करने के लिए लकड़ी निकाल रही थी। मलाजखंड पुलिस ने मृतिका सोमबती पति धानेश्वर सिंह कुशरे 70 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भीमलाट निवासी श्रीमती सोमबती कुशरे का परिवार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। परिवार में उनका बेटा, बहू और तीन नाती रहते हैं। 3 जुलाई को 12ः30 बजे करीब के समय सोमबती का बेटा लखनराम पड़ोस में बैठने गया हुआ था। और सोमबती बहू के साथ घर ।मे थी। इसी दौरान सोमबती बाई पानी गर्म करने के लिए आंगन में रखे लकड़ी के ढेर से लकड़ी निकालने पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने लकड़ी उठाई, लकड़ियों के बीच छिपे किसी जहरीले सांप ने उनके दाहिने हाथ की बीच वाली अंगुली में काट लिया ।सर्पदंश के तुरंत बाद सोमबती बाई ने अपने बेटे और बहू को घटना की जानकारी दी। इसके बाद उनके बेटे लखनराम कुशरे ने बिना देर किए उन्हें निजी वाहन से बिरसा अस्पताल पहुंचाया ।अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन जहरीले सांप के जहर का असर अधिक होने के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई ।घटना की सूचना मिलने पर मलाजखंड पुलिस ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बरसात में बढ़ रहा सर्पदंश का खतरा

लगातार हो रही बारिश के कारण सांप अपने बिलों से निकलकर रिहायशी इलाकों और घरों के आसपास शरण लेने लगे हैं। विशेष रूप से लकड़ियों के ढेर, घास-फूस, खेतों और नम स्थानों पर सांपों के छिपे होने की संभावना अधिक रहती है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग भी लोगों से अपील कर रहे हैं कि सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक के बजाय तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं।

आसमानी बिजली गिरने से महिला घायल, बेहोश हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की सीमा से लगे सिवनी जिले के ग्राम सिरेगांव में शनिवार को तेज बारिश के दौरान आसमानी बिजली गिरने से एक महिला घायल हो गई। घायल महिला पुस्तकला पति बिशनलाल गजभिए 55 वर्ष को घटना के बाद परिजनों ने तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुस्तकला गजभिए का परिवार खेती किसानी करता है। 4 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे परिवार के सभी सदस्य कृषि कार्य के लिए खेत चले गए थे। जबकि पुस्तकला अपनी बहू संगीता के साथ घर पर थीं ।शाम करीब 4 बजे क्षेत्र में तेज बारिश के साथ अचानक आसमानी बिजली गिरी। बिजली गिरने के तेज प्रभाव से पुस्तकला घर के अंदर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। घटना की जानकारी मिलते ही खेत में काम कर रहे परिजन तुरंत घर पहुंचे और उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। जहां उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट